हिंदी दैनिक अखबार

बिहार पत्रिका

सच के साथ

पटना, मंगलवार, 24 फरवरी 2026 वर्ष : 5, अंक : 59 पृष्ठ : 8, मूल्य : निशुल्क web_dainikbiharpatrika.com Email_ dainikbiharpatrika@gmail.com सम्पादक : कृष्णा टेकड़ीवाल

शीर्ष अदालत में सुनवाई के दौरान वकील पर नाराज हुए सीजेआई.....सावधान रहें

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान नाराज हो गए। बताया जा रहा हैं कि सीजेआई की नाराजगी की वजह वकील की ओर से पेश की गई दलील थी, जिसमें उन्होंने अदालत पर सुनवाई नहीं करने के आरोप लगाए थे। नौबत यहां तक आ गई कि सीजेआई ने वकील को दो टूक कहा कि वह अदालत में पेश होने और सामग्री पेश करने के दौरान सावधान रहें। दरअसल वाकया सोमवार का है। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई का दौर चल रहा था। तभी एडवोकेट मैथ्यूज नेदुम्पारा की बात पर सीजेआई ने आपत्ति जाहिर की थी। रिपोर्ट के अनुसार, एडवोकेट नेदुम्पारा ने कहा अडानी और अंबानी के लिए बेंच बन रहीं हैं, लेकिन एनजेएएसी की चुनौती पर सुनवाई नहीं हो रही है। इतना कहते ही सीजेआई ने उन्हें जमकर फटकार लगाकर चेतावनी भी दे दी। सीजेआई ने कहा, मिस्टर नेदुम्पारा, आप जो भी मेरी कोर्ट में पेश कर रहे हैं, उस लेकर जरा सावधान रहें। आपने मुझे चंडीगढ़ में देखा है, दिल्ली में देखा है...। मैं आपको चेतावनी दे रहा हूं, सावधान रहें। ऐसा बिल्कुल भी मत सोचिएगा कि आप जिस तरह की बदतमीजी कर रहे हैं, वैसा ही करते रहने वाले है। मैं आपको चेतावनी दे रहा हूं। बीते गुरुवार को सीजेआई एक जनहित याचिका देखकर भी नाराज हुए थे। उन्होंने कहा था, अगर भारत के शीर्ष न्यायालय के सामने याचिकाओं का ऐसा स्तर है, तब भगवान याचिका के कानून को बचाए। साथ ही उन्होंने इसपर सुनवाई करने से इंकार किया था। इससे पहले वह वकीलों की तरफ से एआई यानी आर्टिफिशिलय इंटेलिजेंस की मदद से याचिकाएं लिखने पर भी नाराज हो गए थे।

पीएम मोदी 25 को इजराइल दौरे पर जाएंगे, प्रधानमंत्री कार्यकाल में यह दूसरी यात्रा

नई दिल्ली,(एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी 25 फरवरी से इजराइल दौरे पर जा रहे हैं। अपने प्रधानमंत्री कार्यकाल में वह दूसरी बार इजराइल जाएंगे। वह 2017 में इजराइल गए थे। एक तरफ भारत के संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और बहरीन जैसे देशों से बहुत अच्छे रिश्ते हैं तो वहीं इजराइल के साथ भी उसके लंबे समय से संबंध हैं। ऐसी स्थिति में पीएम मोदी का फिर से इजराइल दौरा अहम माना जा रहा है। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू 2025 में ही तीन बार भारत आने के प्लान बना चुके थे, लेकिन हर बार उन्हें यात्रा स्थगित करनी पड़ी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रणनीतिक और विदेश मामलों के जानकार का कहना है कि पीएम मोदी के इजराइल दौरे से इससे भारत को फायदा होगा और उसे रणनीतिक बढ़त मिलेगी। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ऐसे समय में इजराइल का दौरा करने वाले हैं, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ऐलान किया है कि कभी भी ईरान पर हमला हो सकता है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में पीएम मोदी की इजराइल यात्रा भले ही थोड़ी अलग चीज लगे, लेकिन इसका रणनीतिक महत्व है और यह सधा हुआ कदम लगता है। रणनीतिकार ने कहा कि अमेरिकी युद्धपोत तैयार हैं। ऐसे समय में इजराइल जाकर पीएम मोदी यह संकेत देंगे कि मध्य पूर्व में भारत एक बड़ी शक्ति है। अब भी वह युद्धों के बीच भी एक मजबूत कड़ी है और आपस में शांति भी करा सकता है। उन्होंने यह संकेत देने की कोशिश की है कि अस्थिरता के बीच भी भारत मजबूत स्थिति में है। यह विजिट ऐसे समय में हो रही है, जब कुछ दिन पहले ही अरब देशों के विदेश मंत्रियों की समिट दिल्ली में थी। इसके अलावा इजराइल में भी आंतरिक संघर्ष छिड़ा हुआ है। विपक्ष के नेता लगातार हमलावर हैं और नेतन्याहू पर धावा बोल रहे हैं। ऐसे में मोदी के इजराइल दौरे से यह संदेश जाएगा कि नेतन्याहू सरकार के साथ दुनिया के कई बड़े मुल्क हैं। मोदी के इस दौरे से यह संदेश जाएगा कि भारत का अरब में मजबूत दखल है।

खास / खबरे

नेपाल में पोखरा से काठमांडू जा रही बस त्रिशूली नदी में गिरी, 18 यात्रियों की हुई मौत

काठमांडु(एजेंसी)। नेपाल में सोमवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। पोखरा से राजधानी काठमांडू जा रही एक यात्री बस अनियंत्रित होकर धादिंग जिले में त्रिशूली नदी में जा गिरी। इस दुखद घटना में अब तक 18 यात्रियों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 25 अन्य घायल हैं। यह हादसा सोमवार तड़के करीब 1:15 बजे पृथ्वी हाईवे पर बेनिघाट रोरांग ग्रामीण नगरपालिका-3 के चिनाधारा, चरौंडी इलाके में हुआ। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, बस तेज रफ्तार में थी और अचानक सड़क से फिसलकर करीब 300 मीटर गहरी ढलान से नीचे गिरती हुई सीधे नदी किनारे जा पहुंची। बस की हालत इतनी खराब थी कि उसके परखच्चे उड़ गए। जिला ट्रैफिक पुलिस प्रमुख शिशिर थापा ने बताया कि मृतकों में 11 पुरुष और 6 महिलाएं शामिल हैं। घायलों में भी महिलाओं और पुरुषों के साथ एक नाबालिग लड़की है, जिनमें से कई की स्थिति अत्यंत गंभीर बनी हुई है। हादसे की खबर मिलते ही नेपाली सेना, सशस्त्र पुलिस बल और नेपाल पुलिस की टीमें स्थानीय लोगों के साथ राहत और बचाव कार्य में जुट गईं। पहाड़ी इलाका और रात का घना अंधेरा होने के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन में काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। नेपाल में हाल के दिनों में यह दूसरा बड़ा सड़क हादसा है। इससे पहले 6 फरवरी को बैतडी जिले में एक शादी समारोह से लौट रही बस खाई में गिर गई थी, जिसमें 13 लोगों की जान चली गई थी। लगातार हो रहे इन जानलेवा हादसों ने नेपाल के पहाड़ी रास्तों पर सड़क सुरक्षा के दावों की पोल खोल दी है। स्थानीय प्रशासन का कहना है कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है, हालांकि प्रारंभिक तौर पर खराब सड़कें, तेज रफ्तार और चालक की थकान को बड़ी वजह माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि पहाड़ी रास्तों पर रात के समय लंबी दूरी की यात्रा और सुरक्षा मानकों की अनदेखी अक्सर ऐसे भयावह परिणामों का कारण बनती है। फिलहाल घायलों का उपचार नजदीकी अस्पतालों में चल रहा है और प्रशासन मृतकों की शिनाख्त की प्रक्रिया में जुटा है।

पटना में आईपीएस सुनील नायक के आवास पर आंध्रा पुलिस ने मारा छापा

पटना,(एजेंसी)। राजधानी पटना के शास्त्री नगर थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब आंध्र प्रदेश पुलिस की एक टीम ने आईपीएस अधिकारी एम. सुनील नायक के आवास पर छापेमारी की। सुबह-सुबह पहुंची टीम ने घर के भीतर प्रवेश कर जांच शुरू की। इस दौरान स्थानीय पुलिस भी मौके पर मौजूद रही और पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई। सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई आंध्र प्रदेश पुलिस की पूर्व से ही चल रही किसी जांच से संबंधित बताई जा रही है। हालांकि, छापेमारी के कारणों को लेकर अब तक आधिकारिक रूप से विस्तृत जानकारी साझा नहीं की गई है। आवास के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है, जबकि अंदर पुलिस पदाधिकारी दस्तावेजों और अन्य संभावित साक्ष्यों की जांच में जुटे हैं। बताया जाता है कि जांच टीम कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की भी पड़ताल कर रही है। हालांकि, अब तक किसी गिरफ्तारी या आपत्तिजनक सामग्री बरामद होने की पुष्टि नहीं की गई है। एम. सुनील नायक वर्ष 2005 बैच के बिहार कैडर के आईपीएस अधिकारी हैं। वर्तमान में वे बिहार के अग्निशमन विभाग में पदस्थ हैं। उनके आवास पर दूसरे राज्य की पुलिस द्वारा की गई इस कार्रवाई से प्रशासनिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। स्थानीय लोगों के बीच भी छापेमारी को लेकर उत्सुकता बनी है।

छह महीने पहले ही जिसे किया डिपोर्ट वहीं बांग्लादेशी महिला फिर मुंबई में पकड़ाई

नई दिल्ली,(एजेंसी)। मुंबई में अवैध रूप से रह रही 46 साल की बांग्लादेशी नागरिक राबिया नासिर को बांग्लादेश डिपोर्ट किया गया था, लेकिन हाल ही में वह विले पार्ले इलाके से फिर गिरफ्तार की गई है। उसे छह महीने पहले ही मीरा-भायंदर से गिरफ्तार कर डिपोर्ट किया था। मुंबई के अलग-अलग इलाकों से पिछले महीने पकड़ी गई जुलेखा जमाल शेख और बिलकिस बेगम सिरमिया अख्तर ने भी पुलिस को बताया कि उन्हें अगस्त 2025 में बांग्लादेश भेजा गया था, लेकिन वे अवैध तरीके से फिर भारत लौट आई हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक राबिया पिछले 25 सालों से मीरा-भायंदर में घरेलू सहायिका के रूप में काम कर रही थी, उसने पुलिस को बताया कि वह जंगलों के रास्ते सीमा पार कर वापस भारत में दाखिल हुई। आरोप है कि कुछ लोग सीमा सुरक्षा कर्मियों को रिश्वत देकर दोबारा भारत में घुस रहे हैं। राज्य में अवैध प्रवासियों के खिलाफ चल रही सख्त कार्रवाई के तहत पिछले दो सालों में 1237 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया। मुंबई महानगर क्षेत्र के साथ-साथ पूरे राज्य में गिरफ्तारियों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक संयुक्त पुलिस आयुक्त ने बताया कि मुंबई के सभी 93 पुलिस थानों को अवैध प्रवासियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि 2025 में एक हजार से ज्यादा अवैध प्रवासियों को डिपोर्ट किया गया था। 2026 में भी सैकड़ों लोगों को पकड़ा है, जिन्हें जल्द ही डिपोर्ट किया जाएगा। बता दें राबिया नासिर को 8 अगस्त 2025 को मीरा-भायंदर वसई-विरार पुलिस ने डिपोर्ट किया था। हाल ही में उन्हें विले पार्ले (पश्चिम) से एक गुप्त सूचना के आधार पर पकड़ा गया। इसके अलावा, पिछले सप्ताह वसोर्वा पुलिस ने अंधेरी (पश्चिम) से 21 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया था, जिनमें 18 ट्रांसजेंडर शामिल थे। पुलिस ने बताया कि सभी के खिलाफ एफआरओ को रिपोर्ट भेज दी गई है ताकि जल्द से जल्द डिपोर्टेशन की कार्रवाई की जा सके।

राहुल गांधी ने मोहम्मद दीपक से मुलाकात कर की साहस की सराहना

नई दिल्ली,(एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने हाल ही में जिम ट्रेनर दीपक कुमार से मुलाकात की। दीपक उस समय चर्चा में आए थे जब उन्होंने कोटद्वार में एक मुस्लिम बुजुर्ग दुकानदार- एडवोकेट अहमद के ह्यबाबा स्कूल ड्रेस एंड मैचिंग सेंटरह्न का बचाव उग्र भीड़ से किया था। सोशल मीडिया पर उन्हें ह्नमोहम्मद दीपकह्न के नाम से भी पहचाना जाने लगा। बताया जा रहा है कि यह मुलाकात दिल्ली में हुई। दीपक कुमार ने स्पष्ट किया कि उनका राजनीति से कोई संबंध नहीं है और वे किसी राजनीतिक दल से जुड़े नहीं हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के साथ-साथ उनकी मुलाकात सोनिया गांधी से भी हुई। सोनिया गांधी ने उनके साहस की सराहना करते हुए कहा कि समाज को ऐसे युवाओं की आवश्यकता है जो एकता और सद्भाव का संदेश दें। राहुल गांधी ने इस मुलाकात की तस्वीरें अपने आधिकारिक फेसबुक अकाउंट पर साझा कीं। उन्होंने लिखा, हर इंसान, एक समान, यही भारतीयता, यही मोहब्बत की दुकान। उत्तराखंड के भाई ह्यमोहम्मद दीपकह्न से मुलाकात एकता और साहस की ऐसी ही लौ हर भारतीय युवा में जलनी चाहिए। साझा तस्वीरों में राहुल गांधी और दीपक कुमार बातचीत करते, गले मिलते और हाथ मिलाते नजर आए। इस दौरान कोटद्वार के विजय रावत और एक अन्य युवक भी उनके साथ मौजूद थे। यहां मोहम्मद दीपक कुमार ने कहा कि उन्होंने जो किया, वह मानवीय आधार पर किया और इसे किसी राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने दोहराया कि उनका उद्देश्य केवल सद्भाव और भाईचारे का संदेश देना था। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब सामाजिक सौहार्द और आपसी विश्वास के मुद्दे पर राजनीतिक बहस तेज है। राहुल गांधी ने अपने संदेश में एकता और समानता पर जोर देते हुए युवाओं से सकारात्मक भूमिका निभाने की अपील की है।

रोजगार सहायकों के तबादलों पर आगामी आदेश तक हाईकोर्ट की रोक

जबलपुर, (एजेंसी)। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने अपने अंतरिम आदेश के तहत प्रदेश सरकार द्वारा हाल ही में जारी की गई ह्यग्राम रोजगार सहायक मार्गदर्शिका 2025ह्न के क्रियान्वयन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाते हुए मामले में राज्य शासन को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने के निदेश दिए हैं। न्यायालय ने इसके साथ ही आगामी निदेशों तक प्रदेश में किसी भी ग्राम रोजगार सहायक का स्थानांतरण नहीं किए जाने के भी आदेश शासन को दिए हैं। अब इस मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद निर्धारित की गई है। ग्राम रोजगार सहायक मार्गदर्शिका के प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए न्यायालय ने यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया है, जिससे लंबे समय से संशय में चल रहे 23 हजार कर्मचारियों को बड़ी राहत मिली है।

पूर्व केंद्रीय रेल मंत्री और टीएमसी नेता मुकुल रॉय का निधन

कोलकाता,(एजेंसी)। पूर्व केंद्रीय रेल मंत्री और तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुकुल रॉय का सोमवार तड़के दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 71 वर्ष के थे। सॉल्ट लेक स्थित अपोलो अस्पताल में तड़के करीब 1:30 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। वरिष्ठ नेता मुकुल रॉय के पुत्र सुभ्रांशु रॉय ने निधन की पुष्टि करते हुए मीडिया को बताया कि कार्डियक अरेस्ट के कारण उनका देहांत हुआ। उन्होंने कहा कि रॉय पिछले काफी दिनों से अस्पताल में भर्ती थे। उनका यूं चले जाना परिवार के लिए अपूर्णीय क्षति है। मुकुल रॉय का जन्म उत्तर 24 परगना जिले के कांचरापाड़ा में 14 मई 1954 को हुआ था। राजनीति में आने से पहले उन्होंने ट्रेड यूनियन गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय से विज्ञान में स्नातक तथा मदुरै के कामराज विश्वविद्यालय से लोक प्रशासन में एमए की डिग्री प्राप्त की थी। जनवरी 1998 में अस्तित्व में आई तृणमूल कांग्रेस के संस्थापक सदस्यों में वह प्रमुख थे और ममता बनर्जी के करीबी सहयोगी माने जाते थे। युवा कांग्रेस से राजनीतिक जीवन की शुरूआत करने वाले रॉय ने तृणमूल कांग्रेस के गठन के बाद संगठन को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई। वह 2006 में राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए और 2009 से 2012 तक उच्च सदन में पार्टी के नेता रहे। यूपीए-2 सरकार में उन्होंने पहले शिपिंग मंत्रालय में राज्य मंत्री के रूप में कार्य किया। मार्च 2012 में उन्होंने दिनेश त्रिवेदी के स्थान पर रेल मंत्रालय की जिम्मेदारी संभाली। 2011 में बंगाल में 34 वर्षों के वाम शासन के अंत के बाद पार्टी संगठन को विस्तार देने में उनकी रणनीतिक भूमिका महत्वपूर्ण रही। 2015 तक वह पार्टी के महासचिव रहे और उनके कार्यकाल में वाम दलों व कांग्रेस के कई नेता तृणमूल में शामिल हुए। नवंबर 2017 में उन्होंने भारतीय जनता पार्टी का दामन थामा और 2021 के विधानसभा चुनाव में कृष्णानगर उत्तर से विधायक निर्वाचित हुए। हालांकि जून 2021 में वह पुनः तृणमूल कांग्रेस में लौट आए। बाद में दलबदल कानून के तहत उनकी विधायकी रद्द कर दी गई थी। उनके निधन पर विभिन्न दलों के नेताओं ने शोक व्यक्त किया है और उन्हें एक अनुभवी रणनीतिकार व कुशल संगठनकर्ता के रूप में याद किया।

अविमुक्तेश्वरानंद का बयान, पुलिस के गिरफ्तार करने पर विरोध नहीं.....पूरा सहयोग करूंगा

वाराणसी (एजेंसी)। यौन शोषण के आरोपों में घिरे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने गिरफ्तारी की आशंका के बीच सोमवार को बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अगर पुलिस उन्हें गिरफ्तार करती है, तब वे इसका विरोध नहीं करते हुए, पुलिस को पूरा सहयोग करूंगा। उनका मानना है कि जनता सब देख रही है और सच्चाई समय के साथ सामने आ जाएगी। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने आरोपों को झूठा बताकर कहा कि मीडिया के कैमरों और प्रयागराज में लगे सीसीटीवी में घटना रिकॉर्ड हो चुकी होगी। अविमुक्तेश्वरानंद ने दावा किया कि जिन लड़कों का नाम मामले में लिया जा रहा है, वे उनके गुरुकुल में कभी पढ़े नहीं और न ही वहां आए है। उनका कहना है कि छात्र हरदोई के एक स्कूल से जुड़ा हैं, और उनकी मार्कशीट भी केस में जमा की गई है, जिसमें छात्र के गुरुकुल से संबंध का कोई प्रमाण नहीं मिलता। स्वामी ने सवाल उठाया कि यदि किसी कथित सीडी का जिक्र है, तब उस सीडी को सार्वजनिक क्यों नहीं किया जा रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग सनातन धर्म को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं और जनता से अपील की कि अफवाहों पर ध्यान न दें। उत्तप्रदेश पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर नामजद एफआईआर दर्ज की और अगले दिन शिकायतकर्ता आशुतोष ब्रह्मचारी से मुलाकात कर साक्ष्य जुटाए। इस पूरे घटनाक्रम के बाद अविमुक्तेश्वरानंद के कानूनी शिकंजे में आने की संभावना बढ़ गई है। माघ मेला 2026 में मौनी अमावस्या के दिन संगम में स्नान के दौरान उनके काफिले को घंटों रोका गया था, जिसमें शिष्यों और पुलिस के बीच हाथापाई का वीडियो वायरल हुआ था। इसके बाद आशुतोष ब्रह्मचारी ने अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्य मुकुंदानंद ब्रह्मचारी पर नाबालिग बटुकों का यौन शोषण करने का आरोप लगाकर तहरीर दी। पुलिस की कार्रवाई न होने पर न्यायालय में याचिका दायर की गई और पीड़ित बच्चों के बयान दर्ज किए। इसके बाद कोर्ट के आदेश पर झूंसी थाने में बीएनएस की धारा 351(3) और लैंगिक अपराधों की विभिन्न धाराओं में नामजद मुकदमा दर्ज किया। अब अविमुक्तेश्वरानंद ने आरोपों का खंडन करते हुए सहयोग का भरोसा जताकर कहा कि समय के साथ सच्चाई उजागर होगी।

उधर, आशुतोष ब्रह्मचारी ने मौनी अमावस्या के दिन ही अविमुक्तेश्वरानंद व उनके शिष्यों पर मारपीट का आरोप लगाकर झूंसी थाने में तहरीर दी थी। उस वक्त से चला आ रहा विवाद लगातार जारी है। माघ मेला के आखिरी दिनों में आशुतोष ब्रह्मचारी ने अविमुक्तेश्वरानंद और उसके शिष्य मुकुंदानंद ब्रह्मचारी समेत अन्य पर नाबालिग बटुकों का यौन शोषण करने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी थी।

एक नजर

डेल्हा थाना परिसर में कैलाश देव मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के लिए निकाली कलश यात्रा

दैनिक बिहार पत्रिका

गया जी । शहर के डोला थाना स्थित कैलाश देव मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के लिए रविवार को कलश यात्रा निकाली गई इस दौरान 601 महिलाएं सिर पर कलश ले हुए पिता महेश्वर से जलवा लेकर थाना परिसर पहुंचे इसके बाद अग्नि मंथन व अन्य प्रकार के पूजा का आयोजन किया गया। आचार्य डॉ सुबोध कुमार मिश्र ने बताया कि यह आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि इसने स्थानीय समुदाय की अटूट श्रद्धा और एकता को भी प्रदर्शित किया। पूरी यात्रा के दौरान महिलाएं सिर पर कलश धारण कर मंगल गीत गाती नजर आईं। वातावरण ₹जय भोले₹ और ₹हर-हर महादेव₹ के जयघोष से गूंज उठा।स्थानीय निवासियों और श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। ढोल-ताशों की गूंज ने उत्सव के उत्साह को दोगुना कर दिया। थाना परिसर में रौनकः डेल्हा थाना परिसर स्थित कैलाश देव मंदिर को फूलों और आकर्षक लाइटों से सजाया गया है। पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों ने भी इस आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्राण प्रतिष्ठा का महत्व हिंदू धर्म में प्राण प्रतिष्ठा का विशेष महत्व होता है। माना जाता है कि इस अनुष्ठान के जरिए मूर्ति में 'प्राण' यानी दैवीय ऊर्जा का संचार होता है।

आजादनगर में हम (से0) का महा सदस्यता अभियान शुरू

दैनिक बिहार पत्रिका, गया

गया। जिले के आजादनगर में हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (सेक्युलर) द्वारा आयोजित महा सदस्यता अभियान की भव्य शुरूआत की गई। इस अवसर पर अतरी विधानसभा के लोकप्रिय विधायक रोमित कुमार ने कार्यक्रम में भाग लेकर जनसमूह को संबोधित किया। अपने संबोधन में विधायक ने पार्टी की विचारधारा, नीतियों एवं सिद्धांतों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए सामाजिक न्याय, विकास और संगठन की मजबूती के संकल्प को दोहराया। उन्होंने कहा कि पार्टी आम जनता की आवाज को सशक्त मंच देने के लिए प्रतिबद्ध है और हर वर्ग के लोगों को साथ लेकर आगे बढ़ना चाहती है। विधायक के प्रेरणादायी संबोधन से प्रभावित होकर सैकड़ों लोगों ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण की। कार्यक्रम स्थल पर भारी जनसमूह की उपस्थिति ने अभियान को सफल और उत्साहपूर्ण बना दिया। पार्टी पदाधिकारियों ने बताया कि यह महा सदस्यता अभियान संगठन विस्तार और जनाधार को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आने वाले दिनों में विभिन्न क्षेत्रों में इसी प्रकार के कार्यक्रम आयोजित कर अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ा जाएगा।

भागलपुर में इंटर परीक्षा की कॉपी जांच शुरू

दैनिक बिहार पत्रिका भागलपुर

भागलपुर में इंटर परीक्षा 2026 की उत्तरपुस्तिकाओं की जांच प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने मूल्यांकन कार्य के लिए परीक्षकों की सूची जारी कर दी है। शहर के छह केंद्रों पर कॉपियों की जांच की जाएगी। जारी अधिसूचना के अनुसार 27 फरवरी से 10 मार्च तक विषयवार उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया जाएगा। होली पर्व को ध्यान में रखते हुए 3 और 4 मार्च को जांच कार्य स्थगित रहेगा। बोर्ड ने लक्ष्य निर्धारित किया है कि मूल्यांकन कार्य पूरा होने के 15 दिनों के भीतर यानी 25 मार्च तक इंटर परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया जाए। अधिसूचना के मुताबिक मूल्यांकन शुरू होने से एक दिन पहले सभी परीक्षक अपने-अपने केंद्रों पर योगदान देंगे। प्रशासनिक स्तर पर मूल्यांकन कार्य को पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से संपन्न कराने की तैयारी पूरी कर ली गई है, ताकि छात्र-छात्राओं को समय पर परिणाम मिल सके।

सदर विधायक बबलू मंडल ने सदन में उठाई खगड़िया की जमीन समस्या

दैनिक बिहार पत्रिका खगड़िया

खगड़िया के सदर विधायक बबलू कुमार मंडल ने सोमवार को विधानसभा के शून्यकाल में जिले की गंभीर जमीन समस्या को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने गैरमजरूआ खास, बकाश्त और टोपो लैंड की रसीद काटने पर लगी रोक को हटाने की मांग सरकार से की। विधायक ने सदन में कहा कि उक्त किस्म की जमीन की रसीद नहीं कटने के कारण किसानों को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में पहले भी खाता-खेसरा को अद्यतन करने की लिखित मांग की गई है, ताकि किसानों को राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि जमीन होने के बावजूद कई किसान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, बिजली कनेक्शन, फसल क्षति मुआवजा सहित अन्य योजनाओं से वंचित हैं। विधायक ने सरकार से आग्रह किया कि जमीन के कागजातों की जांच कर शीघ्र रसीद काटने की कार्रवाई शुरू की जाए। सदर विधायक ने यह भी कहा कि वे खगड़िया जिले की अन्य गंभीर समस्याओं को भी लगातार सदन में उठा रहे हैं, जिनमें सदर अस्पताल की व्यवस्था, नगर परिषद एवं मानसी नगर पंचायत में जलजमाव की समस्या के समाधान के लिए स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज सिस्टम, तथा फुटकर विक्रेताओं के लिए स्थायी बाजार की मांग शामिल है।

अगुवानी–सुल्तानगंज महासेतु निर्माण ने पकड़ी रफ्तार, 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य

मुख्य सचिव के निरीक्षण के बाद बढ़ी उम्मीदें, एप्रोच पथ मई 2026 तक पूरा करने का निर्देश

दैनिक बिहार पत्रिका खगड़िया

गंगा नदी पर निमार्णाधीन बहुचर्चित अगुवानीझसुल्तानगंज महासेतु का कार्य दूसरी बार 6 जून 2025 से पुनः शुरू होने के बाद अब तेजी पकड़ता दिख रहा है। पूजा-अर्चना के साथ अगुवानी साइट से कार्यारंभ हुआ था। यह निर्माण कार्य बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड द्वारा पटना उच्च न्यायालय के 14 सितंबर 2023 के आदेश के अनुपालन में क्षतिग्रस्त हिस्से में कंपोजिट स्टील बिम विद कंक्रीट डेक केबल-स्टे तकनीक से किया जा रहा है। हाल ही में बिहार के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने निर्माण स्थल का निरीक्षण कर अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने 20 किलोमीटर लंबे एप्रोच पथ (16 किमी खगड़िया, 4 किमी भागलपुर) को मई 2026 तक पूरा करने तथा मुख्य पुल के सेगमेंट और पिलर का कार्य नवंबर 2027 तक समाप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया। निरीक्षण के दौरान खगड़िया डीएम नवीन कुमार, एसपी राकेश कुमार, पुल निर्माण निगम के अध्यक्ष डॉ. चंद्रशेखर सिंह और पथ निर्माण विभाग के सचिव पंकज कुमार पाल मौजूद थे। दो बड़े हादसों के बाद दोबारा शुरू हुआ निर्माण महासेतु निर्माण के दौरान दो बड़े हादसे हो चुके हैं। 30 अप्रैल 2022 को पिलर संख्या 4 और 5 के बीच का स्ट्रक्चर गिर गया था, जिसमें एक इंजीनियर की मौत हुई थी। इसके बाद 4 जून 2023 को अगुवानी साइट पर पिलर संख्या 10, 11 और 12 ध्वस्त हो गए थे तथा करीब 170 सेगमेंट और 14 हजार टन मलबा गंगा में गिरा था। इस दुर्घटना में भी एक कर्मी की जान गई थी। लंबी जांच प्रक्रिया के बाद अब पुनः कार्य प्रारंभ हुआ है। लागत और महत्व परियोजना की प्रारंभिक लागत 1710.77 करोड़ रुपये आंकी गई थी। 23 फरवरी 2014 को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने परबत्ता में इसका शिलान्यास किया था, जबकि 9 मार्च 2015 से सुल्तानगंज साइट से निर्माण कार्य शुरू हुआ। निर्माण एजेंसी एसपी सिंगला कंस्ट्रक्शन कंपनी फोरलेन महासेतु के निर्माण में जुटी है। महासेतु की लंबाई लगभग 3.16 किलोमीटर है, जबकि एप्रोच पथ करीब 20 किलोमीटर का है। यह पुल राष्ट्रीय उच्च पथ-31 (पसराहा) और एनएच-80 (सुल्तानगंज) को जोड़ेगा। पूरा होने पर होगा बड़ा लाभ महासेतु बनने से उत्तर और दक्षिण बिहार के बीच दूरी काफी कम होगी। खगड़िया का सीधा संपर्क भागलपुर (सिल्क सिटी) से स्थापित होगा। श्रावणी मेले में देवघर जाने वाले लाखों कांवरियों को भी सीधा लाभ मिलेगा। साथ ही फरकिया क्षेत्र का दक्षिण बिहार और झारखंड से सीधा जुड़ाव संभव होगा। हालांकि विभागीय लक्ष्य पहले मार्च 2020, फिर 2021 और 2022 रखा गया था, लेकिन बाढ़, कोरोना महामारी और तकनीकी बाधाओं के कारण परियोजना में विलंब हुआ। अब 2027 तक पुल पूरा करने का दावा किया जा रहा है। मुख्य सचिव के हालिया निरीक्षण के बाद स्थानीय लोगों में उम्मीद जगी है कि वर्षों से प्रतीक्षित यह महासेतु तय समय में बनकर तैयार होगा और क्षेत्र के विकास को नई दिशा देगा।

होली से पहले कटिहार में मद्य निषेध की बड़ी कार्रवाई

संवाददाता, दैनिक बिहार पत्रिका

कटिहार। होली पर्व को लेकर बिहार में जारी विशेष अभियान के तहत कटिहार मद्य निषेध विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कुल 112.140 लीटर विदेशी शराब एवं बीयर जब्त की है। इस दौरान चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया, जबकि एक बाइक भी जब्त की गई। जानकारी के अनुसार, कटिहार जंक्शन एवं आसपास के परिसर में छापामारी के दौरान सौरभ सरकार और इंद्रदेव तांती को एक बाइक तथा 95.640 लीटर विदेशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। वहीं बलरामपुर थाना क्षेत्र के किरौरा और लोहागड़ा से सिकंदर कुमार एवं रामकुमार को 10.500 लीटर विदेशी शराब के साथ पकड़ा गया। इसके अतिरिक्त बारसोई रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से 6 लीटर बीयर बरामद कर अज्ञात के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। मद्य निषेध अधीक्षक ने बताया कि होली पर्व के मद्देनजर जिले के संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार गश्ती और छापामारी अभियान चलाया जा रहा है, ताकि अवैध शराब की तस्करी और बिक्री पर पूरी तरह रोक लगाई जा सके। उन्होंने आम जनता से भी अपील की है कि शराब तस्करी की सूचना तुरंत प्रशासन को दें, जिससे समय पर कार्रवाई संभव हो सके। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पर्व के दौरान शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्त कदम जारी रहेंगे।

जिले में बाल विवाह मुक्ति रथ के माध्यम से जागरूकता सराहनीय : डॉ संतोष कुमार सुमन

दैनिक बिहार पत्रिका,गया

गया (बिहार)। प्रयास जुवेनाइल एड सेंटर गया द्वारा भारत सरकार के 100 दिवसीय बाल विवाह मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने हेतु बाल विवाह मुक्ति रथ द्वारा जिले में जागरूकता फैलाई जा रही है। इसी दौरान बिहार सरकार के मंत्री, लघु जल संसाधन सह अनुसूचित जाति, जनजाति कल्याण विभाग डॉ संतोष कुमार सुमन ने जागरूकता रथ को गया स्थित आवास से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की है। बाल विवाह मुक्ति रथ ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में भ्रमण कर लोगों को बाल विवाह के दुष्परिणामों, कानूनी प्रावधानों तथा बच्चों के अधिकारों के प्रति जागरूक कर रहा है। इस अवसर पर मंत्री डॉ संतोष कुमार सुमन ने कहा कि बाल विवाह समाज के लिए एक बड़ा अभिशाप है और इसे समाप्त करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। बाल विवाह को समाज के लिए गंभीर समस्या बताते हुए कहा कि इससे बच्चों का विकास बाधित होता है, खासकर गरीब और दलित तबके के लोगों में जागरूकता की अब भी कमी है जिनको बाल विवाह के हानि के बारे में बताना आवश्यक है। उन्होंने इस कड़ी. में संस्था द्वारा किए जा रहे विभिन्न प्रकार के कार्यों की सराहना की जिसके माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। ज्ञात हो कि बाल विवाह मुक्त भारत अभियान 27 नवंबर 2024 को भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा राष्ट्रव्यापी स्तर पर लांच किया गया था। प्रयास संस्था के माध्यम से जिले में जागरूकता अभियान चलाकर जनमानस को बाल विवाह के दुष्परिणामों के साथ साथ कानूनी प्रावधानों से भी अवगत कराया जा रहा है। होने वाले कई बाल विवाहों को भी सम्बंधित अधिकारियो के सहयोग से रोका गया है। इस अवसर पर प्रयास संस्था के देवेन्द्र कुमार मिश्रा, गौतम परमार, प्रियंका कुमारी, मोहम्मद आलमगीर और बिनोद कुमार उपस्थित रहे हैं।

व्यापार मंडल की बैठक में उठी सुरक्षा, जाम और अतिक्रमण की समस्या

पप्पू आलम, दैनिक बिहार पत्रिका

सुपौल। जिलाधिकारी सावन कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय परिसर स्थित लहटन चौधरी सभागार में व्यापार मंडल, सुपौल की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए व्यापारियों ने अपनी सुरक्षा, सुचारू व्यापार संचालन और आधारभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। व्यापारियों ने सड़कों पर बढ़ते अतिक्रमण और लगातार लगने वाले जाम की समस्या को गंभीर बताया। उनका कहना था कि अवैध कब्जों के कारण यातायात बाधित होता है, जिससे व्यापार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। ग्रामीण इलाकों में पुलिस चौकी के अभाव और बढ़ते अपराधों को देखते हुए नियमित पुलिस गश्ती (पेट्रोलिंग) बढ़ाने की मांग भी की गई इसके अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्रों में बैंक शाखाओं की कमी से नकद लेन-देन में हो रही कठिनाइयों, ट्रकों से कथित अवैध वसूली पर रोक तथा सड़कों पर अनियंत्रित गति से वाहन चलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग रखी गई। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने व्यापारियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए हरसंभव समाधान का आश्वासन दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि सुदूर क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराने और सुरक्षा चौकियों की स्थापना की संभावनाओं पर शीघ्र कार्रवाई की जाएगी। बैठक में अमर कुमार चौधरी उर्फ भगवान चौधरी (अध्यक्ष, व्यापार संघ, सुपौल), सचिव, व्यापार संघ तथा जिले के विभिन्न बाजारों के अध्यक्ष एवं सचिव उपस्थित रहे।

बालिका दौड़ प्रतियोगिता में दिखा लड़कियों का उत्साह दिखा

दैनिक बिहार पत्रिका

गया जी में बोधिसत्व फाउंडेशन द्वारा 10 से 14 वर्ष की बालिकाओं के लिए रविवार को दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। खेलेगा भारत तो खिलेगा भारत के संदेश के साथ आयोजित यह एक किलोमीटर की दौड़ विष्णुपद मंदिर स्थित फल्गु नदी तट से प्रारंभ हुई। प्रतियोगिता में लगभग दो सौ बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वहीं अभिभावकों की भी उल्लेखनीय उपस्थिति रही। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान भारती, द्वितीय नंदनी एवं तृतीय स्थान आराध्या ने प्राप्त किया। विजेताओं को नकद पुरस्कार, मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। साथ ही दरक्षा परवीन, जागृति, राधिका, मानसी और तनीषा सहित अन्य बालिकाओं को भी प्रोत्साहन पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम के दौरान स्वामी विवेकानंद के प्रेरक विचारों का उल्लेख करते हुए खेल को शारीरिक व मानसिक विकास का आधार बताया गया। कार्यक्रम का संचालन बोधिसत्व फाउंडेशन के राकेश सिन्हा (पूर्व उपनिदेशक, खुफिया विभाग, दिल्ली) के नेतृत्व में हुआ। उनके साथ सरकारी शारीरिक शिक्षक मुन्ना कुमार, वॉलीबॉल कोच राजेंद्र कुमार, विवेकानंद, अखिलेश कुमार, विनय श्रीवास्तव आदि टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

डायट रामगंज संसारपुर में एफएलएन का एक दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

दैनिक बिहार पत्रिका खगड़िया

खगड़िया जिले के जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान (डायट), रामगंज संसारपुर में एफएलएन (Foundational Literacy and Numeracy) का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन डायट के प्राचार्य मनोज कुमार यादव, सीएसएफ-एससीईआरटी पटना के अवनीश कुमार, जिला कॉर्डिनेटर ज्योति कुमारी, डॉ. विक्रांत भास्कर तथा जिला समन्वयक वीरेंद्र कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। सीएसएफ के अवनीश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि एफएलएन कार्यशाला बच्चों को पढ़ना, लिखना और मूलभूत गणितीय कौशल सिखाने का महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक कक्षाओं में बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान मजबूत होने से आगे की पढ़ाई की नींव सुदृढ़ होती है। प्राचार्य मनोज कुमार यादव ने कहा कि यह प्रशिक्षण राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, महेंद्रू, पटना के दिशा-निर्देश पर आयोजित किया गया है। इसका उद्देश्य प्राथमिक शिक्षा की बुनियाद को मजबूत करना है, ताकि बच्चों को अक्षरज्ञान और गणितीय दक्षता विभागीय मानकों के अनुरूप प्रदान की जा सके। जिला कॉर्डिनेटर ज्योति कुमारी और डॉ. विक्रांत भास्कर ने बताया कि परिषद का लक्ष्य 2026 की सर्वे-परख में खगड़िया जिले की शैक्षणिक उपलब्धियों को बेहतर बनाना है। उन्होंने कहा कि निपुण भारत अभियान के तहत कक्षावार भाषा एवं गणित में बच्चों को दक्ष बनाना प्रमुख लक्ष्य है। जिला समन्वयक वीरेंद्र कुमार ने कहा कि प्रशिक्षण के उद्देश्यों को विद्यालय स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना संदर्भदाताओं की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में प्राचार्य मनोज कुमार यादव, अवनीश कुमार (सीएसएफ-एससीईआरटी), ज्योति कुमारी, डॉ. विक्रांत भास्कर, वीरेंद्र कुमार, अर्चना कुमारी, डॉ. मधुश्री, पंकज कुमार पंडित, धर्मनारायण तांती, सोनू कुमार, लक्ष्मी कुमारी, विश्वमोहन राकेश सहित डायट के सभी प्रशिक्षु उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान एफएलएन के उद्देश्यों, कक्षा-आधारित गतिविधियों और सीखने के परिणामों को बेहतर बनाने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई।

एलआईसी म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया डायवर्सिफाइड टेक्नोलॉजी फंड, लक्ष्य- एआई, डेटा सेंटर और डिजिटल प्लेटफॉर्म

एनएफओ 20 फरवरी को खुलेगा और 6 मार्च को बंद होगा

दैनिक बिहार पत्रिका

मुंबई, 19 फरवरी 2026: एलआईसी म्यूचुअल फंड ने एलआईसी एमएफ टेक्नोलॉजी फंड के लॉन्च की घोषणा की है. यह एक थीमैटिक इक्विटी स्कीम है, जिसे भारत के बढ़ते तकनीकी परिदृश्य में व्यापक एक्सपोजर प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है. इसका दायरा पारंपरिक आईटी सेवाओं से आगे तक होगा. इसका न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) 20 फरवरी को खुलेगा और 6 मार्च को बंद होगा. उसके बाद स्कीम 19 मार्च से निरंतर सब्सक्रिप्शन और रिडेम्पशन के लिए दोबारा खुलेगी. फंड का प्रबंधन करण दोशी और जयप्रकाश तोशनीवाल द्वारा संयुक्त तौर पर किया जाएगा. इसे बीएसई टीईसीके टोटल रिटर्न इंडेक्स (टीआरआई) पर बेंचमार्क किया जाएगा. एलआईसी एमएफ टेक्नोलॉजी फंड का उद्देश्य पारंपरिक आईटी-केंद्रित योजनाओं से अलग हटकर टेक्नोलॉजी से संचालित विभिन्न क्षेत्रों में निवेश करने का है, जिसमें सेमीकंडक्टर से जुड़ी कंपनियां, डेटा सेंटर ऑपरेटर, डिजिटल कॉमर्स प्लेटफॉर्म, इंटरनेट बिजनेस और उभरती टेक्नोलॉजी कंपनियां शामिल हैं. एलआईसी म्यूचुअल फंड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी आर.के. झा ने कहा, ह्यह्यआम बजट 2026-27 ने सेमीकंडक्टर के विकास और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रति सरकार की मजबूत प्रतिबद्धता को पुनः पुष्ट किया है. जैसे-जैसे भारत का टेक्नोलॉजी इकोसिस्टम सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन से एआई अपनाने की ओर बढ़ रहा है, हमें लिस्टेड इक्विटीज में कई वर्षों का संरचनात्मक अवसर दिख रहा है। एलआईसी म्यूचुअल फंड के मुख्य निवेश अधिकारी (इक्विटी) योगेश पाटिल ने कहा, ह्यह्यहमारी निवेश रणनीति टेक्नोलॉजी वैल्यू चेन में टिकाऊ विकास के ड्राइवर्स, स्वस्थ कैश फ्लो और स्केलेबल ऑपरेटिंग मॉडल वाले बिजनेस की पहचान करने पर केंद्रित है. हमारा उद्देश्य एक विविधतापूर्ण टेक्नोलॉजी पोर्टफोलियो का निर्माण करना है, न कि केंद्रित.ह्ल एनएफओ के दौरान आवेदन की न्यूनतम राशि 1,000 रुपये है. उसके बाद 1 रुपये के गुणकों में निवेश किया जा सकता है. दैनिक एसआईपी की न्यूनतम राशि 100 रुपये है और उसके बाद 1 रुपये के गुणकों में इसे बढ़ाया जा सकता है. मासिक एस–ाआईपी 200 रुपये है और उसके बाद 1 रुपये के गुणकों में इसे भी बढ़ाना संभव है. तिमाही एसआईपी की न्यूनतम राशि 1,000 रुपये है और उसके बाद 1 रुपये के गुणकों में. एस–ाआईपी शुरू होने की तारीख स्कीम के निरंतर लेन-देन के लिए दोबारा खुलने के बाद प्रभावी होगी. म्यूचुअल फंड में निवेश बाजार जोखिमों के अधीन है. कृपया स्कीम से संबंधित सभी दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ें.

एक नजर

हिन्दी भाषा साहित्य परिषद, खगड़िया की बैठक एवं कवि गोष्ठी संपन्न

दैनिक बिहार पत्रिका, संवाददाता

खगड़िया । हिन्दी भाषा साहित्य परिषद, खगड़िया की एक आवश्यक बैठक सह कवि गोष्ठी अलख होमियो आश्रम में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता डॉ. अनिल ठाकुर ने की, जबकि मंच संचालन डॉ. सोहन कुमार सिन्हा ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि परिषद की साहित्यिक पत्रिका कौशिकी का नया अंक जून 2026 में प्रकाशित किया जाएगा। साथ ही होली की पूर्व संध्या पर होली मिलन समारोह आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया। कवि सम्मेलन की शुरूआत अनुभूति की कविता से हुई। पूजा श्रीवास्तव ने विदाई शीर्षक कविता का पाठ किया। अमिराज कुमार आनंद, कौशल कुमार रवि एवं अशोक कुमार चौधरी ने अपनी रचनाओं से साहित्यिक वातावरण को समृद्ध किया। शंकरानंद ने दरवाजा शीर्षक कविता में सामाजिक संदेश प्रस्तुत किया। डॉ. सुनील कुमार मिश्र ने समसामयिक परिस्थितियों पर आधारित रचना सुनाई। रामकृष्ण आनंद, कंचन नंदन हर्ष, शशि शेखर, शिवम मिश्रा, संध्या किंकर एवं डॉ. सोहन कुमार सिन्हा ने भी काव्य पाठ किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. अनिल ठाकुर ने धन्यवाद ज्ञापन किया। बैठक में परिषद के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही और आयोजन को सफल बताया गया।

शराब पीकर बाइक चला रहे दो युवक गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका बेलदौर/खगड़िया

बेलदौर पुलिस ने शराब पीकर बाइक चलाने के आरोप में दो युवकों को गिरफ्तार कर सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पूर्णिया जिले के भवानीपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत कर्मणचक निवासी कमल कुमार और सुरेंद्र कुमार के रूप में की गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार रविवार को सकरोहर गांव के पूर्व गुदड़िया स्थान के समीप वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान दोनों युवक संदिग्ध स्थिति में बाइक चलाते पाए गए। जांच के क्रम में शराब सेवन की पुष्टि होने पर उन्हें मौके पर ही हिरासत में ले लिया गया। थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि शराबबंदी कानून के तहत शराब पीने और शराबियों के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि आगे भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे।

सभापति अर्चना कुमारी की पहल पर दो सड़कों का नामकरण

दैनिक बिहार पत्रिका खगड़िया

खगड़िया शहर की दो प्रमुख सड़कों का नामकरण कर नगर परिषद ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। नगर परिषद सभापति अर्चना कुमारी की पहल और नेतृत्व में डीएवी रोड का नाम अब दानवीर श्याम लाल मार्ग तथा मुर्गियासचक रोड का नाम एपीजे अब्दुल कलाम पथ कर दिया गया है। सभापति अर्चना कुमारी ने कहा कि यह केवल नाम परिवर्तन नहीं, बल्कि समाज के प्रेरणास्रोत महान व्यक्तित्वों को सम्मान देने और नई पीढ़ी को सही दिशा दिखाने की पहल है। उन्होंने कहा कि शहर की पहचान केवल भवनों और सड़कों से नहीं, बल्कि उन आदर्शों से बनती है जिनसे समाज प्रेरणा लेता है। उन्होंने बताया कि दानवीर श्याम लाल ने सेवा, परोपकार और सामाजिक समर्पण की जो मिसाल पेश की, उसे सम्मान देने के उद्देश्य से यह मार्ग उनके नाम समर्पित किया गया है। वहीं भारत रत्न डॉ. एपीजे. अब्दुल कलाम के नाम पर सड़क का नामकरण युवाओं को वैज्ञानिक सोच, राष्ट्रप्रेम और ऊंचे सपने देखने की प्रेरणा देगा। सभापति ने कहा कि नगर परिषद खगड़िया विकास कार्यों के साथ-साथ शहर की सांस्कृतिक और नैतिक पहचान को भी मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व भी उनके नेतृत्व में मिल रोड का नामकरण महाराजा अग्रसेन मार्ग किया गया था। शहरवासियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे निर्णय शहर को नई पहचान देते हैं और समाज में गौरव की भावना उत्पन्न करते हैं।

सांसद तारिक अनवर की पहल पर एनएच-31 को फोरलेन बनाने की प्रक्रिया तेज

दैनिक बिहार पत्रिका कटिहार/खगड़िया

कटिहार के सांसद तारिक अनवर ने भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर बिहार के खगड़िया से पूर्णिया तक राष्ट्रीय उच्च पथ संख्या-31 को फोरलेन बनाने का अनुरोध किया था। केंद्रीय मंत्री ने सांसद के आग्रह को सहानुभूतिपूर्वक स्वीकार करते हुए आवश्यक कार्रवाई हेतु संबंधित अधिकारियों को प्रस्ताव प्रेषित कर दिया है। कटिहार जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता पंकज कुमार तमाखुवाला ने बताया कि यह परियोजना क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। एनएच-31 के फोरलेन बनने से आम जनता, छात्रों, मरीजों, व्यापारियों और मजदूरों को बड़ी राहत मिलेगी। सांसद तारिक अनवर ने केंद्रीय मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सड़क एवं परिवहन मंत्रालय की सकारात्मक पहल से सीमांचल क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी। एनएच-31 के फोरलेन बनने के बाद कुरसेला से कोढ़ा और पूर्णिया तक जाम की समस्या में कमी आएगी। इससे छोटे-बड़े वाहनों की आवाजाही सुगम होगी और व्यापारिक, आर्थिक तथा सांस्कृतिक दृष्टिकोण से सीमांचल क्षेत्र को व्यापक लाभ मिलने की उम्मीद है।

सहरसा में अतिक्रमण पर चला बुलडोजर, वीर कुंवर सिंह चौक से मत्स्यगंधा रोड तक सड़क चौड़ीकरण शुरू

जाम से निजात दिलाने को प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, वेंडर जोन विकसित करने की तैयारी

संवाददाता, दैनिक बिहार पत्रिका

सहरसा। शहर में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने और सड़क चौड़ीकरण को लेकर प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। शहर के व्यस्ततम मार्गों में शामिल वीर कुंवर सिंह चौक से मत्स्यगंधा रोड तक सड़क विकसित करने की कवायद तेज कर दी गई है। इसी क्रम में सड़क किनारे वर्षों से लगे अवैध दुकानों और अतिक्रमण पर प्रशासन का बुलडोजर चला। प्रशासनिक अधिकारियों और नगर निगम सहरसा की टीम की मौजूदगी में सड़क किनारे बने कई अस्थायी ढांचे हटाए गए। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे, ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न फैले। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह अभियान शहर में लगातार बढ़ती जाम की समस्या को कम करने और यातायात को व्यवस्थित करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। अभियान का नेतृत्व कर रहे कहरा अंचल अधिकारी सौरभ कुमार ने बताया कि सड़क चौड़ीकरण परियोजना को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है। पहले चरण में वीर कुंवर सिंह चौक से मत्स्यगंधा रोड तक सड़क किनारे लगाए गए अवैध कब्जों को हटाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह मार्ग शहर का प्रमुख आवागमन मार्ग है, जहां अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है। सड़क चौड़ी होने से यातायात सुगम होगा और दुर्घटनाओं की संभावना भी कम होगी। प्रशासन ने यह भी जानकारी दी कि अतिक्रमण हटाने के साथ-साथ वेंडरों के पुनर्वास की योजना तैयार की जा रही है। शहर में एक अलग वेंडर जोन विकसित किया जाएगा, जहां हटाए गए दुकानदारों को व्यवस्थित रूप से स्थान दिया जाएगा। इससे सड़कें खाली और चौड़ी रहेंगी, वहीं छोटे व्यवसायियों की आजीविका भी सुरक्षित रहेगी। स्थानीय लोगों ने प्रशासन की इस कार्रवाई का समर्थन किया है। सहरसा में चल रहे सड़क चौड़ीकरण और अतिक्रमण हटाओ अभियान से यातायात व्यवस्था में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है। प्रशासन का कहना है कि शहर के प्रमुख मार्गों को व्यवस्थित और सुगम बनाना उनकी प्राथमिकता है, ताकि आम नागरिकों को जाम और अव्यवस्था से राहत मिल सके।

भागलपुर में आरएसएस के 100 वर्ष पूर्ण होने पर भव्य हिंदू सम्मेलन

विकास शर्मा, दैनिक बिहार पत्रिका

भागलपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सोमवार को एक भव्य हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बाबा वृद्धेश्वर नाथ मंदिर (बूढ़ानाथ) के प्रांगण में संपन्न हुआ, जहां श्रद्धालुओं और स्वयंसेवकों में विशेष उत्साह देखा गया। कार्यक्रम की शुरूआत धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुई। गणेश वंदना से शुभारंभ के बाद सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। इसके उपरांत बौद्धिक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें राष्ट्र, समाज और संगठन की 100 वर्षों की यात्रा पर विचार-विमर्श हुआ। साथ ही भारत माता का विधि-विधान से पूजन भी किया गया। आयोजकों ने कहा कि यह आयोजन केवल धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक जागरण का संदेश देने का माध्यम है। सम्मेलन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कई पदाधिकारी और दर्जनों स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

4 मार्च को सुपौल में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

पप्पू आलम, दैनिक बिहार पत्रिका

सुपौल। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, सुपौल की ओर से 14 मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसकी सफलता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सोमवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह प्राधिकार अध्यक्ष अनंत सिंह के दिशा-निर्देश पर प्राधिकार सचिव अफजल आलम की अध्यक्षता में उनके प्रकोष्ठ में बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं न्यायिक दंडाधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि अधिक से अधिक चिन्हित मामलों में शीघ्र नोटिस निर्गत कर 14 मार्च को आयोजित लोक अदालत में उनका निःशुल्क निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक लगभग 3000 से अधिक चिन्हित मामलों में नोटिस जारी किए जा चुके हैं। संबंधित पक्षों से अपील की गई है कि वे लोक अदालत में उपस्थित होकर आपसी सहमति से अपने मामलों का त्वरित समाधान कराएं, ताकि सुलह-समझौते के माध्यम से शीघ्र न्याय मिल सके। बैठक में अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं प्रभारी मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी गुरु दत्त शिरोमणि, अपर मुख्य न्यायिक अधिकारी श्याम नाथ साह, सुदीप पाण्डेय (सिविल जज जूनियर डिवीजन), भावेश कुमार (न्यायिक दंडाधिकारी), आदित्य कुमार (न्यायिक दंडाधिकारी), चेतन आनंद (न्यायिक दंडाधिकारी) एवं राखी कुमारी (न्यायिक दंडाधिकारी) सहित अन्य न्यायिक अधिकारी उपस्थित रहे।

परबत्ता के विकास को लेकर पटना में अहम बैठक

ब्यूरो रिपोर्ट, दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। जिले के परबत्ता विधानसभा क्षेत्र के विकास को लेकर सोमवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। परबत्ता विधायक बाबू लाल शौर्य ने बिहार सरकार के ग्रामीण कार्य मंत्री डॉ. अशोक चौधरी, पथ निर्माण मंत्री दिलीप जायसवाल तथा विधान परिषद सदस्य अनिल सिंह से मुलाकात कर क्षेत्र की विभिन्न विकास योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में परबत्ता क्षेत्र की जर्जर सड़कों की मरम्मत, नई ग्रामीण सड़कों के निर्माण, पुल-पुलियों के विस्तार तथा ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मजबूत करने जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। विधायक बाबू लाल शौर्य ने मंत्रियों के समक्ष क्षेत्र की समस्याओं को रखते हुए विकास कार्यों में तेजी लाने की मांग की। ग्रामीण कार्य मंत्री डॉ. अशोक चौधरी ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को प्राथमिकता दे रही है और परबत्ता में सड़क एवं संपर्क व्यवस्था को मजबूत करने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। वहीं पथ निर्माण मंत्री दिलीप जायसवाल ने भरोसा दिलाया कि क्षेत्र की प्रमुख सड़कों के उन्नयन तथा नई परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर मंजूरी दी जाएगी। विधान परिषद सदस्य अनिल सिंह ने बैठक को क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि विधायक की सक्रिय पहल से परबत्ता में विकास को नई गति मिलेगी। इस मुलाकात के बाद क्षेत्रवासियों में सड़कों और ग्रामीण ढांचे में सुधार की उम्मीद जगी है। विधायक बाबू लाल शौर्य की इस पहल को क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

दिल्ली मेट्रो के 21 स्टेशनों के नामों की समीक्षा

दैनिक बिहार पत्रिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि समीक्षा के बाद 21 में से 12 मेट्रो स्टेशनों के नाम पहले जैसे ही रखे गए हैं। वहीं 7 स्टेशनों के नामों में संशोधन किया गया है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में राजधानी की मेट्रो व्यवस्था से जुड़ा एक महत्वपूर्ण फैसला लिया गया है। दिल्ली मेट्रो रेल निगम यानी दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) में प्रस्तावित 21 मेट्रो स्टेशनों के नामों की समीक्षा के बाद राज्य नाम प्राधिकरण (एसएनए) ने इनमें आंशिक बदलाव को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री ने साफ कहा है कि मेट्रो स्टेशन केवल यात्रा का साधन नहीं होते, बल्कि वे उस इलाके की पहचान, इतिहास और संस्कृति को भी दर्शाते हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि समीक्षा के बाद 21 में से 12 मेट्रो स्टेशनों के नाम पहले जैसे ही रखे गए हैं। वहीं 7 स्टेशनों के नामों में संशोधन किया गया है और 2 स्टेशनों के नाम पूरी तरह बदल दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह निर्णय जल्दबाजी में नहीं, बल्कि हर पहलू पर गंभीरता से विचार करने के बाद लिया गया है। सीएम के अनुसार, स्टेशनों के नाम तय करते समय स्थानीय पहचान, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व, सामाजिक जुड़ाव और स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों से मिली सिफारिशों को ध्यान में रखा गया। साथ ही यह भी देखा गया कि यात्रियों को किसी तरह की परेशानी या भ्रम न हो और स्टेशन का नाम सुनते ही इलाके की भौगोलिक पहचान साफ हो जाए।

भागलपुर में भीषण सड़क हादसा, दो युवकों की मौत

विकास शर्मा, दैनिक बिहार पत्रिका

भागलपुर। जिले के झंडापुर थाना क्षेत्र में सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। हादसा लाली होटल के सामने, दयालपुर चौक से लगभग 100 मीटर पहले हुआ, जहां ट्रक और मोटरसाइकिल के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आसपास अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। दूसरे गंभीर रूप से घायल युवक को झंडापुर थाना के सब-इंस्पेक्टर उमेश कुमार सिन्हा ने तत्काल अस्पताल पहुंचाया। वहां से उसे बेहतर इलाज के लिए मायागंज अस्पताल, भागलपुर रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे भी मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान खरीक प्रखंड के तेलघी गांव निवासी मनीष कुमार रॉय (पिता- शंकर राय) एवं विनीत सिंह (पिता- पंकज सिंह) के रूप में हुई है। दोनों युवकों की असमय मौत की खबर से गांव और आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार ने बताया कि ट्रक को जब्त कर लिया गया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। प्राथमिक जांच में तेज रफ्तार और लापरवाही की आशंका जताई जा रही है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तथा आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है।

बक्सर में आरपीएफ की बड़ी कार्रवाई, पैसेंजर ट्रेन के इंजन से भारी मात्रा में शराब बरामद

तीन तस्कर गिरफ्तार, 200 से अधिक बोतलें व टेट्रा पैक जब्त

दैनिक बिहार पत्रिका बक्सर

बक्सर में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए वाराणसी-आरा पैसेंजर ट्रेन के इंजन से भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद की है। गुप्त सूचना के आधार पर रविवार देर रात 63230 डाउन सवारी गाड़ी के बक्सर स्टेशन पहुंचते ही आरपीएफ पोस्ट प्रभारी निरीक्षक कुंदन कुमार के नेतृत्व में टीम ने इंजन के मध्य भाग की सघन तलाशी ली। तलाशी के दौरान इंजन के विभिन्न हिस्सों में छिपाकर रखी गई 750 एमएल की 121 बोतलें तथा 8 पीएम ब्रांड के 95 टेट्रा पैक बरामद किए गए। ट्रेन खुलने के बाद भी बक्सर से टुड़ीगंज के बीच रात करीब 12:30 बजे तक जांच अभियान जारी रहा। कार्रवाई के दौरान इंजन में छिपे तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया। उनकी पहचान बख्तियारपुर निवासी गुनगुन कुमार, श्रवण कुमार और संजय कुमार के रूप में हुई है। इसके अतिरिक्त बक्सर स्टेशन से आठ लीटर शराब के साथ मार्शल पुजारी को भी गिरफ्तार किया गया। आरपीएफ ने सभी आरोपितों को गिरफ्तार कर रेल न्यायालय, आरा भेज दिया है। अधिकारियों ने बताया कि बिहार में शराबबंदी कानून को प्रभावी बनाने के लिए रेलवे मार्गों पर लगातार निगरानी और छापेमारी अभियान जारी रहेगा।

रोजगार सहायकों के तबादलों पर आगामी आदेश तक हाईकोर्ट की रोक

दैनिक बिहार पत्रिका

जबलपुर, (एजेंसी)। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने अपने अंतरिम आदेश के तहत प्रदेश सरकार द्वारा हाल ही में जारी की गई ह्ग्राम रोजगार सहायक मार्गदर्शिका 2025ह्व के क्रियान्वयन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाते हुए मामले में राज्य शासन को नोटिस जारी कर जवाब पेश करने के निदेश दिए हैं। न्यायालय ने इसके साथ ही आगामी निदेशों तक प्रदेश में किसी भी ग्राम रोजगार सहायक का स्थानांतरण नहीं किए जाने के भी आदेश शासन को दिए हैं। अब इस मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद निर्धारित की गई है। ग्राम रोजगार सहायक मार्गदर्शिका के प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए न्यायालय ने यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया है, जिससे लंबे समय से संशय में चल रहे 23 हजार कर्मचारियों को बड़ी राहत मिली है।

(चिंतन-मनन)

दु:खी होने की बजाय दुख का उपचार करें

लोगों से अपने सुना होगा कि संसार में दुःख ही दुःख है। असफलता मिलने पर कई बार आप भी यही सोचते होंगे, जबकि वास्तविकता इससे भिन्न है। संसार में दुःख इसलिए है क्योंकि संसार में सुख है। अगर सुख नहीं होता तो दुःख का अस्तित्व भी नहीं होता है। ईश्वर हमें दुःख की अनुभूति इसलिए करवाता है ताकि हम सुख का एहसास कर पाएं, सुख के महत्व को समझें। श्रीमद्भागवद् में कहा गया है कि हमारा हर कर्म सुख पाने के लिए होता है। इसके बावजूद भी जीवन में कई बार हमें दुःख और कष्ट की अनुभूति होती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि सुख और दुःख धूप-छांव एवं दिन और रात की तरह हैं। हम चाहें न चाहें दुःख को आना है। भगवान राम, श्री कृष्ण, बुध और महावीर को भी दुःख उठाना पड़ा। लेकिन इन महापुरूषों ने दुःख को गले लगाकर नहीं रखा बल्कि दुःख का उपचार किया।

दुःख से हम जितना डरते हैं दुःख हमें उतना ही डराता है। अगर कोई यह सोचता है कि मृत्यु के बाद दुःख का अंत हो जाता है तो गरूड़ पुराण उसे जरूर पढ़ना चाहिए। गरूड़ पुराण में मृत्यु के बाद प्राप्त होने वाले कष्टों का वर्णन किया गया है। मृत्यु के बाद जीव को और भी कष्ट उठाना पड़ता है क्योंकि वहां तो शरीर भी नहीं होता है जिससे अपने दुःख का उपचार किया जा सकता है। सीता का हरण करके रावण ने राम को दुःख दिया। राम जी ने धैर्य से काम लिया और रावण जो उनके कष्ट का कारण था उसका पता लगाकर उसका अंत किया। पाण्डवों का सारा राज्य कौरवों ने छल से छीन लिया। पाण्डव अगर हाथ पर हाथ रखकर बैठ जाते और दुःख का उपचार नहीं करते तो इतिहास में उनकी वीरता और साहस का बखान नहीं मिलता। इसलिए दुःख से दुःखी होने की बजाय दुःख का उपचार करना चाहिए।

शाहपुर कंडी बांध से बदलेगा सीमावर्ती जल समीकरण रावी के जल

भारत ने एक बार फिर यह साबित किया है कि वह अपने संसाधनों की रक्षा और उपयोग के मामले में अब किसी प्रकार की ढिलाई बरतने वाला नहीं है। पंजाब और जम्मू-कश्मीर की सीमा पर बन रहा शाहपुर कंडी बांध अब पूर्णता की ओर है और इसके साथ ही रावी नदी के अतिरिक्त जल के प्रबंधन में एक ऐतिहासिक परिवर्तन देखने को मिलेगा। दशकों से लंबित यह परियोजना न केवल किसानों के लिए वरदान सिद्ध होगी, बल्कि यह भारत की संप्रभुता और दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का भी प्रतीक बनकर उभरेगी। 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सिंधु जल संधि के तहत रावी, व्यास और सतलुज जैसी पूर्वी नदियों का जल भारत को तथा सिंधु, झेलम और चिनाब जैसी पश्चिमी नदियों का जल पाकिस्तान को दिया गया था। यह समझौता उस समय की परिस्थितियों में शांति और सहयोग की भावना से किया गया था। भारत ने इस संधि का हमेशा सम्मान किया, जबकि दूसरी ओर पाकिस्तान ने बार-बार आतंकवाद को बढ़ावा देकर विश्वास की नींव को कमजोर किया। ऐसे में जब भारत अपने हिस्से के जल का समुचित उपयोग सुनिश्चित कर रहा है, तो इसमें किसी भी प्रकार की आपत्ति का कोई औचित्य नहीं बनता। शाहपुर कंडी परियोजना की आधारशिला 1970 के दशक में रखी गई थी और 1980 के दशक में इसके निर्माण की प्रक्रिया शुरू हुई। उस समय की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इस परियोजना की महत्वाकांक्षी परिकल्पना को आगे बढ़ाया था। किन्तु पंजाब और जम्मू-कश्मीर के बीच जल बंटवारे और प्रशासनिक विवादों के कारण यह परियोजना 44 वर्षों तक अटकी रही। अंततः 2018 में दोनों राज्यों के बीच समझौता हुआ और केंद्र सरकार की मंजूरी के बाद निर्माण कार्य ने गति पकड़ी। लगभग 3,394 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रही यह परियोजना अब अपने अंतिम चरण में है। इस बांध के पूर्ण होने से रावी नदी का वह अतिरिक्त जल, जो अब तक पाकिस्तान की ओर बह जाता था, उसे भारत अपने कृषि और सिंचाई कार्यों में उपयोग कर सकेगा। पंजाब और जम्मू-कश्मीर के हजारों किसानों को इससे सीधा लाभ मिलेगा। सीमावर्ती क्षेत्रों में खेती की स्थिति मजबूत होगी, फसल उत्पादन बढ़ेगा और जल प्रबंधन अधिक प्रभावी बनेगा। यह केवल एक बांध नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में एक ठोस कदम है। विशेषज्ञों का मत है कि यह परियोजना रावी के पूरे प्रवाह को नहीं रोकेगी, बल्कि उस अतिरिक्त जल को नियंत्रित करेगी जो भारत के हिस्से का होते हुए भी उपयोग में नहीं आ पाता था। इस प्रकार यह कदम अंतरराष्ट्रीय संधि के दायरे में रहते हुए भारत के अधिकारों का संरक्षण करता है। पाकिस्तान द्वारा इस पर आपत्ति जताना केवल राजनीतिक बयानबाजी प्रतीत होता है, क्योंकि यह परियोजना पूरी तरह भारत के हिस्से के जल से संबंधित है। भारत ने सदैव शांति और विकास की राह को चुना है, जबकि पाकिस्तान ने कई बार आतंकवाद को अपनी नीति का औजार बनाया है। सीमापार आतंकवादी गतिविधियों, घुसपैठ और भारत के भीतर अस्थिरता फैलाने की कोशिशों ने दोनों देशों के संबंधों को लगातार प्रभावित किया है। ऐसे में जब भारत अपने संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित कर रहा है, तो यह केवल विकास का निर्णय नहीं, बल्कि एक सशक्त संदेश भी है कि आतंकवाद और उकसावे की नीति अब भारत को रोक नहीं सकती। रावी का जल अब सीमाओं के पार यूं ही बहकर नहीं जाएगा, बल्कि भारतीय खेतों को सींचेगा। यह निर्णय आत्मनिर्भर भारत की उस परिकल्पना से भी जुड़ा है, जिसमें प्राकृतिक संसाधनों का अधिकतम और न्यायसंगत उपयोग सुनिश्चित किया जाता है। जल जैसे अमूल्य संसाधन का संरक्षण और प्रबंधन आज की सबसे बड़ी जरूरत है। शाहपुर कंडी बांध इस दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा। यह भी उल्लेखनीय है कि भारत ने दशकों तक सिंधु जल संधि का पालन करते हुए पाकिस्तान को उसके हिस्से का जल उपलब्ध कराया, भले ही पाकिस्तान की धरती से पनपने वाले आतंकी संगठनों ने भारत के खिलाफ हिंसा फैलाई। इसके बावजूद भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर संयम और जिम्मेदारी का परिचय दिया। परंतु अब समय बदल चुका है। भारत अपनी सुरक्षा और हितों के प्रति पहले से अधिक सजग और दृढ़ है। शाहपुर कंडी परियोजना का पूरा होना केवल एक प्रशासनिक उपलब्धि नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आत्मसम्मान से जुड़ा विषय है। यह दशार्ता है कि लंबित परियोजनाओं को राजनीतिक इच्छाशक्ति और समन्वय से पूरा किया जा सकता है। इससे सीमावर्ती इलाकों में विकास को नई गति मिलेगी और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। आज जब भारत वैश्विक मंच पर एक उभरती शक्ति के रूप में स्थापित हो रहा है, तब ऐसे निर्णय उसकी आंतरिक मजबूती को और सुदृढ़ करते हैं। जल प्रबंधन, कृषि विकास और सीमा सुरक्षा इन तीनों क्षेत्रों में यह परियोजना सकारात्मक प्रभाव डालेगी। पाकिस्तान के लिए यह एक स्पष्ट संकेत है कि भारत अब अपने हिस्से के संसाधनों का पूर्ण उपयोग करेगा और आतंकवाद को किसी भी रूप में सहन नहीं करेगा। अंततः शाहपुर कंडी बांध केवल कंक्रीट और पत्थरों की संरचना नहीं है, बल्कि यह भारत की विकास यात्रा, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। रावी का जल अब भारत की धरती को समृद्ध करेगा और सीमाओं के उस पार बैठे आतंकवाद के समर्थकों को यह समझा देगा कि नया भारत अपने अधिकारों की रक्षा करना जानता है।

न्यायपालिका की विश्वसनीयता पर उठते सवाल?

भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की खंडपीठ में सोमवार को एक असहज स्थिति देखने को मिली। सुप्रीम कोर्ट के वकील मैथ्यूज नेदुम्पारा की याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा, अडानी और अंबानी के लिए तुरंत बेंच बना दी जाती है। लेकिन एनजेएसी की महत्वपूर्ण याचिका पर सुनवाई नहीं करने का आरोप लगाया। उनका इतना कहते ही मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने उन्हें जमकर कोर्ट के अंदर फटकार लगाई। उन्हें मुख्य न्यायाधीश ने चेतावनी दी। मुख्य न्यायाधीश ने कहा, आप जो भी मेरी कोर्ट में पेश कर रहे हैं, उसे लेकर भविष्य में सावधान रहें। आपने मुझे चंडीगढ़ और दिल्ली में देखा है। मैं आपको चेतावनी दे रहा हूं। ऐसा बिल्कुल मत सोचिए, आप जिस तरह की बदतमीजी कर रहे हैं, वैसा आगे भी करते रहेंगे। कुछ इसी तरह की स्थिति शुक्रवार को भी बनी, जब एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश गुस्से में आ गए थे। उन्होंने याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया था। इससे पहले वह वकीलों की तरफ से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीकी की मदद से जो याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में पेश की जा रही हैं। उस पर उन्होंने नाराजी व्यक्त की थी। सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका देखकर उन्होंने कहा ऐसा लगता है, भगवान जनहित याचिका के कानून से बचाए। कुछ इसी तरह की स्थिति सुप्रीम कोर्ट में तब देखने को मिली जब असम के मुख्यमंत्री हेमंत विश्वा सरमा की हेट स्पीच की याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर हुई थी। मुख्य न्यायाधीश ने उस याचिका को सुनने से इनकार कर दिया। याचिकाकताओं को असम हाईकोर्ट जाने के निर्देश दिए। सुप्रीम कोर्ट में उपस्थित वरिष्ठतम वकीलों ने मुख्य न्यायाधीश से मामले की सुनवाई करने या असम के अलावा अन्य किसी हाईकोर्ट में तुरंत सुनवाई करने की मांग की थी। मुख्य न्यायाधीश ने असहमति व्यक्त करते हुए याचिका का निपटारा कर दिया। जबकि कई राज्यों की याचिकाओं को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए पिछले कुछ महीनो में उसमें आदेश जारी किए हैं। जिन राज्यों की याचिका स्वीकार की गई हैं, उनमें अमूमन डबल इंजन की सरकारें हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट की कार्यप्रणाली पर बार-बार सवाल उत्पन्न हो रहे हैं। जिस तरह से वरिष्ठ वकीलों और सुप्रीम कोर्ट की कार्य प्रणाली और सरकारी दबाव पर मामले की सुनवाई को लेकर असहमति बढ़ती चली जा रही है, इससे न्याय पालिका की एक ऐसी छवि विकसित हो रही है। सरकार या सरकार से जुड़े हुए मामलों में सुप्रीम कोर्ट त्वरित सुनवाई करने से बचती है। यदि याचिका स्वीकार हो भी जाती है। नोटस जारी हो जाते हैं। उसके बाद तारीख पर तारीख का जो नया खेल शुरू होता है, उससे निश्चित रूप से सरकार को मदद होती है। मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति से संबंधित याचिका, एसाआईआर का मामला इन दिनों चचाओं में है। बिहार चुनाव के कई माह पहले से याचिका की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में हो रही है, जिसका फैसला अभी तक नहीं आया है। इसी बीच बिहार विधानसभा के चुनाव हो गए। सुप्रीम कोर्ट से तारीख पर तारीख मिल रही है, सुनवाई भी हो रही है, कोई फैसला अभी तक नहीं आया। अगले कुछ ही महीना में पश्चिम बंगाल और असम के चुनाव होने हैं। जिसके कारण न्यायपालिका की कार्य प्रणाली को चुनाव आयोग या सरकार को फायदा पहुंचाने के रूप में देखा जाने लगा है। करोडों मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काट दिए गए। सुप्रीम कोर्ट द्वारा समय-समय पर जो निर्देश चुनाव आयोग को दिए गए, उनका पालन चुनाव आयोग ने नहीं किया। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट के अधिकार को भी चुनौती दे दी। उसके बाद भी सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग की मनमानी पर कोई रोक नहीं लगाई पिछले कुछ वर्षों में कई जनहित याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के लिए लंबित हैं। उन पर अभी तक सुनवाई शुरू नहीं हुई है। उसके कारण न्याय पालिका की छवि को लेकर आम आदमी में वह विश्वास नहीं रहा, जो न्यायपालिका के प्रति होना चाहिए। न्याय पालिका सरकार के खिलाफ कोई भी आदेश और निर्देश देने से बचती है। ऐसे मामलों से बचने के लिए या तो याचिका स्वीकार नहीं की जा रही हैं, यदि स्वीकार कर ली जाती है, तो उसकी समय पर सुनवाई और फैसला नहीं हो रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट मामले की सुनवाई के दौरान जिस तरह की टिप्पणी करती हैं। इसका फायदा सरकार या सत्तारूढ़ दल को मिलता हुआ नजर आता है। जब उस मामले का आदेश आता है, सुनवाई के दौरान जो टिप्पणियां की गई थीं, फैसले में कहीं उनका उल्लेख नहीं होता है। इससे भी न्याय पालिका के प्रति अविश्वास देखने को मिल रहा है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ताओं में भी बेचैनी देखने को मिल रही है। दिल्ली में भयानक वायु प्रदूषण था। सुप्रीम कोर्ट और एनजीटी की मुख्य खंडपीठ दिल्ली में है। केंद्र एवं राज्य में भाजपा की सरकार है। वांगचुक कई महीने से जेल में बंद है। हेवियस कॉरपस में पिछले कई महीनो से सुनवाई चल रही है। और भी कई अन्य मामले हैं, जिसमें तुरंत सुनवाई होकर निर्णय होने थे। ऐसे में न्यायपालिका की एक नई छवि बन रही है। न्यायपालिका सरकार के दबाव में है? वह सरकार के खिलाफ किसी मामले में फैसला करने से बचती है? विवादास्पद मामलों में आधे अधूरे फैसले देकर न्यायपालिका के जज अपने आप को बचाने का प्रयास कर रहे हैं? आम लोगों के बीच में यह चर्चा का विषय बन गया है। न्याय पालिका सरकार के साथ अलग तरीके का व्यवहार करती है। लोग मुखर होकर कहने लगे हैं। जहां डबल इंजन की सरकारें हैं। वहां के हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जज अलग तरीके से पक्षकारों के साथ व्यवहार करते हैं। जहां विपक्षी दलों की सरकारें हैं, या आम आदमियों से जुड़े हुए गंभीर मामले हैं, उन मामलों पर पहले हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट स्वयं संज्ञान लेती थी। अब संज्ञान लेना बंद कर दिया है, यह आम धारणा बनती चली जा रही है। कार्यपालिका और विधायिका के पास असीम शक्तियां हैं। कार्यपालिका द्वारा नागरिकों को प्रताड़ित किया जाता है, ऐसी स्थिति में न्याय पालिका की जिम्मेदारी होती है वह कमजोर पक्ष की सहायता के लिए स्वयं आगे आए। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट कोई आदेश करती हैं, उनका पालन सरकारों द्वारा यदि नहीं किया जाता है, उसके बाद भी सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट की चुप्पी से न्यायपालिका के ऊपर वह विश्वास लोगों को नहीं रहा। जो कुछ वर्षों पहले तक होता था। सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट की जिम्मेदारी है, वह नागरिकों के विश्वास को बहाल करे। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जिनके ऊपर भारत की संपूर्ण न्यायपालिका की जिम्मेदारी है। न्याय पालिका में फैले भ्रष्टाचार पर नियंत्रण करने एवं न्याय प्रणाली को बेहतर बनाने की दिशा में बार काउंसिल और वरिष्ठ अधिवक्ताओं के साथ समीक्षा करते हुए, न्यायालयों की कार्य प्रणाली बेहतर बनाई जाए। अधिवक्ताओं और नागरिकों का भरोसा भारतीय संविधान, भारतीय कानून और न्यायपालिका की कार्यप्रणाली पर मजबूत हो। इस दिशा में त्वरित कार्यवाही करनी होगी। जिस तरह की चुनौतियां देखने को मिल रही हैं, उनका मुकाबला करते हुए न्यायपालिका की विश्वसनीयता को कायम करना है। संविधान एवं लोकतंत्र की रक्षा के लिए न्याय पालिका को असीम शक्तियां दी गई हैं। इसका जिम्मेदारी के साथ न्यायपालिका को निर्वहन करना होगा।

भारत की खुशहाली और आर्थिक मजबूती का आधार: केंद्रीय उत्पाद शुल्क

भारत की आर्थिक प्रगति के पीछे उन हजारों हाथों का योगदान है, जो देश के राजस्व को मजबूत करने के लिए दिन-रात काम करते हैं। इन्हीं प्रयासों को सम्मान देने और आम जनता को कर व्यवस्था के प्रति जागरूक करने के लिए हर साल 24 फरवरी को देश में एक विशेष अवसर के रूप में इस दिन को मनाया जाता है। यह समय हमारे देश की वित्तीय व्यवस्था के लिए एक मील का पत्थर है, क्योंकि इसी दिन साल 1944 में केंद्रीय उत्पाद शुल्क और नमक कानून बनाया गया था। भले ही आज के दौर में टैक्स की प्रणालियां बदल गई हों और जीएसटी ने एक बड़ा स्थान ले लिया हो, लेकिन देश की तरक्की में उत्पाद शुल्क का महत्व आज भी कम नहीं हुआ है। एक आम नागरिक के मन में अक्सर यह सवाल आता है कि आखिर टैक्स चुकाने से उसे क्या मिलता है। इसका जवाब बहुत ही सरल और सुंदर है। जब देश की फैक्ट्रियों में सामान बनता है और उस पर सरकार को शुल्क मिलता है, तो वही पैसा घूमकर समाज के कल्याण के लिए वापस आता है। हमारे गाँव और शहरों को जोड़ने वाली पक्की सड़कें, अंधेरे को दूर करती बिजली की रोशनी, सरकारी अस्पतालों में मुफ्त इलाज और देश की सीमाओं पर तैनात वीर जवानों के आधुनिक हथियार, यह सब उसी कर के पैसे से संभव हो पाता है जो एक जिम्मेदार उद्यमी और नागरिक द्वारा चुकाया जाता है। इस प्रकार, कर का भुगतान करना केवल एक कानूनी काम नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर राष्ट्र की सेवा करने जैसा है।

इसी संदर्भ में यह समझना भी जरूरी है कि एक मजबूत कर प्रणाली ही देश की आंतरिक सुरक्षा और बाहरी खतरों से निपटने की शक्ति प्रदान करती है। जब सरकार के पास पर्याप्त संसाधन होते हैं, तभी नई तकनीकों और आधुनिक बुनियादी ढांचे पर निवेश किया जा सकता है। यह राजस्व ही है जो आपदाओं के समय राहत कार्य चलाने और देश के करोड़ों गरीब परिवारों तक मुफ्त राशन और जरूरी सुविधाएं पहुँचाने में मदद करता है। बिना मजबूत वित्तीय आधार के कोई भी देश अपने नागरिकों के सपनों को पूरा नहीं कर सकता। इसलिए, उत्पाद शुल्क केवल एक सरकारी उगाही नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का एक सशक्त माध्यम भी है, जो उद्योगों से कर लेकर समाज के पिछड़े वर्गों के उत्थान में खर्च किया जाता है। समय के साथ सरकारी कामकाज के तरीकों में भी बड़ा बदलाव आया है। आज का दौर डिजिटल क्रांति का है और अब टैक्स चुकाने के लिए दफ्तरों के चक्कर काटने या लंबी कतारों में खड़े होने की जरूरत नहीं रह गई है। सरकार ने पूरी प्रक्रिया को इतना सरल और पारदर्शी बना दिया है कि कोई भी व्यापारी घर बैठे अपना हिसाब-किताब पूरा कर सकता है। इससे न केवल भ्रष्टाचार पर लगाम लगी है, बल्कि व्यापार करने में भी आसानी हुई है। यह समय उन अधिकारियों और कर्मचारियों के परिश्रम को भी सलाम करने का है, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि देश का खजाना सुरक्षित रहे और कहीं भी राजस्व की चोरी न हो। इसके साथ ही, हमें यह भी समझना होगा कि कर के माध्यम से एकत्र किया गया धन आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में ईंधन की तरह काम करता है। जब हमारे उद्योग जगत में पारदर्शिता बढ़ती है, तो विदेशी निवेश भी भारत की ओर आकर्षित होता है। यह निवेश न केवल नई फैक्ट्रियां लगाता है, बल्कि देश के लाखों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा करता है। हमारी आर्थिक नीतियां तभी सफल हो सकती हैं जब राजस्व विभाग और करदाता के बीच विश्वास का एक मजबूत रिश्ता हो। यही विश्वास आने वाले समय में भारत की अर्थव्यवस्था को वैश्विक मंच पर और भी ऊंचा स्थान दिलाएगा।

किसी भी महान राष्ट्र का निर्माण केवल सरकारी नीतियों से नहीं, बल्कि वहां के नागरिकों की ईमानदारी से होता है। जब हम ईमानदारी से टैक्स चुकाते हैं, तो हम भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम बढ़ाते हैं। यह अवसर हमें यही सीख देता है कि हमें अपनी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा के साथ निभाना चाहिए। कर की चोरी न केवल अपराध है, बल्कि यह देश के विकास की गति को रोकने जैसा है। एक पारदर्शी और मजबूत कर व्यवस्था ही एक स्वस्थ समाज और शक्तिशाली भारत की पहचान है। आज जब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, तब ऐसी संस्थाओं और व्यवस्थाओं की भूमिका और भी बढ़ जाती है। विकसित भारत का सपना तभी सच होगा जब हर व्यक्ति अपने हिस्से की जिम्मेदारी समझेगा। आइए, आज हम यह संकल्प लें कि हम कर चोरी जैसी बुराइयों को खत्म करने में सहयोग करेंगे और एक ईमानदार करदाता बनकर देश के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखेंगे। हमारी छोटी सी ईमानदारी ही कल के समृद्ध भारत की सबसे बड़ी ताकत बनेगी'

मुफ़्त रेवड़ी आवंटन फिक्रमंद अदालत बेफिक्र सरकार?

हमारे देश की राजनीति में नेताओं की सत्ता लोलुपता से देश की आर्थिक स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। केंद्र सरकार से लेकर अनेक राज्य सरकारों द्वारा मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिये ऐसी ऐसी योजनायें शुरू की गयी हैं जिनका सीधा प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। आज देश के ऐसे कई राज्य जोकि भारी कर्ज और बजट घाटे में होने के बावजूद चुनाव से पहले मुफ़्त बिजली, मुफ़्त राशन, मुफ़्त रसोई गैस आदि बाँट रहे हैं। कहीं बैंक कर्ज मुआफ कर दिया जाता है। यहाँ तक कि अब तो कुछ राज्यों में चुनाव से ठीक पहले मतदाताओं के खातों में नकद धनराशि भी हस्तानांतरित की जा रही है। मतदाताओं को मुफ़्त रेवड़ी बांटने की इस कवायद का दूरगामी प्रभाव यह होता है कि इससे सरकारों के पास विकास कार्यों हेतु व बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए पैसे नहीं बच पाते। परन्तु यह निखट्टू लोगों की राजनीति में सक्रियता का ही परिणाम है कि इन सत्तालोलुप लोगों को केवल मतदाताओं के वोट अपने पक्ष में करने व सत्ता में बने रहने के लिये राज्यों का भारी कर्ज में डूबना भी मंजूर है और राज्य का बजट घाटे में जाना भी स्वीकार है।

परन्तु सत्ता की इसी तरह की गैर जिम्मेदाराना योजनाओं पर देश की उच्च अदालतें कई बार अपनी चिंतायें जाहिर कर चुकी है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली सर्वोच्च न्यायलय की एक बेंच द्वारा की गयी ऐसी ही एक ताजातरीन तल्ख टिप्पणी गत 19 फरवरी को एक बार फिर सामने आयी जो गैर जिम्मेदार सत्ताधीशों के लिये आँखें खोलने वाली हैं। तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड की एक याचिका पर सुनवाई के दौरान अदालत द्वारा यह टिप्पणी उस समय की गयी जब तमिलनाडु सरकार द्वारा सभी उपभोक्ताओं को मुफ़्त बिजली देने के प्रस्ताव पर चर्चा हो रही थी। इस दौरान सर्वोच्च न्यायलय ने मुख्य रूप से यह कहा कि -कई राज्य पहले से ही भारी कर्ज और बजट घाटे में हैं, फिर भी चुनाव से पहले मुफ़्त बिजली, मुफ़्त राशन , रसोई गैस, कैश ट्रांसफर जैसी मुफ़्त सुविधाएं बांट रहे हैं। इससे विकास और बुनियादी ढांचे के लिए पैसे नहीं बचते। अगर सरकारें लोगों को सुबह से शाम तक सब कुछ मुफ़्त देती रहेंगी, तो लोग काम क्यों करेंगे? इससे काम करने की आदत खत्म हो जाएगी और लोग आलसी बन जाएंगे। गरीबों की मदद करना समझ में आता है, लेकिन अमीर-गरीब में फर्क किए बिना सबको मुफ़्त सुविधाएं देना गलत है। यह एक तरह की तुष्टीकरण नीति है, जो राष्ट्र निर्माण में बाधा डालती है।

इतना ही नहीं बल्कि माननीय अदालत ने सरकार से यह भी पूछा कि आप किस तरह का कल्चर बना रहे हैं? अदालत ने चेतावनी देते हुये कहा कि विकास के लिए एक पैसा भी नहीं बचेगा अगर यह सिलसिला जारी रहा। साथ ही सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकारों को रोजगार सृजन पर फोकस करने की सलाह दी, न कि सिर्फ मुफ़्त चीजें बांटने पर। यह सुनवाई के दौरान की गई मौखिक टिप्पणियां थीं, जो फ्री बीज कल्चर पर कोर्ट की बढ़ती चिंता को दिखाती हैं। पूर्व में भी मुफ़्त रेवड़ी आवंटन को लेकर न्यायालय अपनी चिंतायें जाहिर कर चुकी हैं। 2022-2024 के दौरान भी अदालत ने मुफ़्त की रेवड़ी बांटने को चुनावी लालच देने से जोड़ते हुये कहा था कि यह लोकतंत्र और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए नुक़सानदेह है। अदालत ने यह भी बार-बार कहा कि कल्याणकारी योजनाएं जरूरतमंदों के लिए तो ठीक हैं, लेकिन अनुचित मुफ़्त वादे विकास को रोकते हैं। गोया सर्वोच्च न्यायालय मुफ़्त रेवड़ी कल्चर को न केवल आर्थिक बोझ बता चुका है बल्कि इसे काम की संस्कृति और राष्ट्र निर्माण के खिलाफ भी माना है। यह आलोचना समय-समय पर दोहराई जाती रही है, खासतौर पर तब जबकि राज्य सरकारें चुनावों से पहले ऐसी योजनाएं घोषित करती हैं। केवल अदालतें ही नहीं बल्कि स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी 2022 में रेवड़ी कल्चर को खतरनाक बता चुके हैं।

प्रियंका गांधी राजनीति के लिए जुबिन गर्ग के अंत्येष्टि स्थल पर पहुंचीं, मुख्यमंत्री हिमंत ने साधा निशाना

गोवाहाटी,एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा पर जुबिन गर्ग के निधन पर राजनीति करने का आरोप लगाया। यह आरोप उन्होंने प्रियंका के जुबिन गर्ग के अंत्येष्टि स्थल पर पहुंचने के दो दिन बाद लगाया। सरमा ने भाजपा प्रदेश मुख्यालय में पत्रकारों के साथ बातचीत में घोषणा की कि विधानसभा चुनाव समाप्त होने तक वह जुबिन गर्ग के अंत्येष्टि स्थल जुबिन क्षेत्र में नहीं जाएंगे।

अमित शाह पिछले तीन महीनों में कई बार राज्य का दौरा करने के बावजूद वहां नहीं गए।

उन्होंने कहा, जुबिन क्षेत्र का इस्तेमाल राजनीतिक उद्देश्यों के लिए नहीं किया जाना चाहिए। प्रियंका गांधी राजनीतिक उद्देश्यों से असम आईं और अंत्येष्टि स्थल पर सिर्फ दो मिनट बिताए। सरमा ने कहा कि राजनीतिक उद्देश्यों से आने वाले किसी भी व्यक्ति को जुबिन क्षेत्र नहीं जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी या केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पिछले तीन महीनों में कई बार राज्य का दौरा करने के बावजूद वहां नहीं गए।

सरमा ने आरोप लगाते हुए कहा, प्रियंका गांधी शहीद स्मारक या डॉ. भूपेन हजारिका के स्मारक पर क्यों नहीं गईं? कांग्रेस खुलेआम जुबिन गर्ग के मुद्दे पर राजनीति कर रही है। उन्होंने लोगों को भावुक किया और वोट मांगे। शुक्रवार को प्रियंका ने गर्ग के अंत्येष्टि स्थल का दौरा किया और कहा कि यह दिग्गज संगीतकार असम की आत्मा की आवाज थे और वह राजनीति से ऊपर हैं। कांग्रेस नेता, जो आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी उम्मीदवारों का चयन करने के लिए राज्य के दो दिवसीय दौरे पर हैं, ने बिना मीडिया की मौजूदगी के गुवाहाटी के बाहरी इलाके सोनपुर में स्थित जुबिन क्षेत्र का अचानक दौरा किया।

प्रसिद्ध गायक जुबिन गर्ग का पिछले साल 19 सितंबर को सिंगापुर में समुद्र में तैरते समय रहस्यमय परिस्थितियों में निधन हो गया था। वह उत्तर पूर्व भारत महोत्सव (एनईआईएफ) के चौथे संस्करण में भाग लेने के लिए द्वीपीय देश में गए थे। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पिछले साल नवंबर में जुबिन गर्ग के जन्मदिन पर लगभग 12,000 भाजपा कार्यकर्ताओं ने रक्तदान किया था। उन्होंने कहा, किसका योगदान अधिक है - प्रियंका गांधी का, जिन्होंने दो मिनट दिए, या मेरा, जिसने 12,000 रक्तदाताओं की व्यवस्था की? लोग गर्ग के नाम का इस्तेमाल करके राजनीति कर रहे हैं।

सरमा ने कहा कि जुबिन क्षेत्र बनाने के लिए जगह का चयन और सारी व्यवस्था खुद उन्होंने ही की थी। उन्होंने कहा, अगर प्रियंका गांधी और राहुल गांधी में हिम्मत है, तो वे शहीद स्मारक जाकर यह स्वीकार करें कि असम आंदोलन के दौरान उनके दादा-दादी ने गुनाह किए थे। पिछले साल दिसंबर में राज्य की राजधानी में शहीद स्मारक का उद्घाटन किया गया था, जो छह साल तक चले असम आंदोलन में शहीद हुए असमिया समुदाय के 850 से अधिक लोगों की याद में बनाया गया है।

सरमा ने कहा, चुनाव खत्म होने तक मैं जुबिन क्षेत्र नहीं जाऊंगा। मेरा मानना ??है कि चुनाव लड़ रहे किसी भी उम्मीदवार को वहां नहीं जाना चाहिए। गर्ग की मौत के मामले में त्वरित सुनवाई के लिए त्वरित अदालत स्थापित करने की जनता की मांग के बारे में मुख्यमंत्री ने दावा किया कि इस संबंध में एक षड्यंत्र रचा जा रहा है। उन्होंने कहा, जिस न्यायाधीश की अदालत में यह मामला अभी है, उन्होंने आरोपियों की तीन जमानत याचिकाएं खारिज कर दी हैं। इसे देखकर दो अन्य आरोपियों ने भी अपनी जमानत याचिकाएं वापस ले लीं।

सरमा ने दावा किया कि आरोपियों की मदद के लिए इस न्यायाधीश से मामला छीनने की तैयारी चल रही है। उन्होंने कहा, यह एक खास न्यूज चैनल, एक खास अखबार और कांग्रेस की मिलीभगत है, जिसका मकसद न्यायाधीश को बदलना, चुनाव से पहले आरोपियों को जमानत दिलाना और इसका दोष भाजपा पर डालना है। सरमा ने कहा, यह महज राजनीति है। जमानत दिलवाने और भाजपा को मुश्किल में डालने की साजिश रची जा रही है। उन्होंने कहा कि असम मंत्रिमंडल 26 फरवरी को इस मामले को त्वरित अदालत को सौंपने के बारे में फैसला करेगा।

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर फंसे लोगों को मिलेगा टोल-रिफंड, 33 घंटे तक फंसीं थीं 1 लाख से ज्यादा गाड़ियां

मुंबई,एजेंसी। महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम (एमएसआरडीसी) ने मुंबई-पुणे एक्सप्रेस वे पर गैस टैंकर दुर्घटना के बाद 33 घंटे जाम में फंसे वाहन चालकों से वसूली गई टोल की राशि को वापस करने का निर्णय लिया है। इस निर्णय से जाम में फंसे लगभग एक लाख लोगों को लाभ मिलेगा। तीन फरवरी को एक्सप्रेस वे के खोपोली खंड पर एक गैस टैंकर के पलटने से लगभग 33 घंटे तक यातायात ठप रहा था। इस कारण कई किलोमीटर तक यातायात बाधित रहा। जाम के चलते कई वाहन चालकों और यात्रियों को पानी, भोजन और अन्य बुनियादी सुविधाओं की कमी का सामना करना पड़ा था।

फास्टैग से कटे थे पैसे : दुर्घटना के बाद प्रशासन ने टोल वसूली को तत्काल निलंबित करने का आदेश दिया था। हालांकि, तब तक कई वाहन चालकों के फास्टैग खातों से टोल शुल्क पहले ही काटे जा चुके थे।

फास्टैग खातों में जमा होगी राशि : महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को बताया कि टोल वसूली रोकने का आदेश जारी होने के बावजूद वाहन मालिकों से वसूल की गई पूरी राशि वापस करने का निर्णय लिया गया है। लगभग 5.16 करोड़ रुपये की यह वापसी राशि एमएसआरडीसी द्वारा भुगतान की जाएगी। यह राशि अगले कुछ दिनों में प्रभावित वाहन मालिकों के फास्टैग खातों में सीधे जमा कर दी जाएगी।

रमजान में मुस्लिम कर्मचारियों को शाम 4 बजे छुट्टी देने की मांग, अबू आजमी ने सीएम को लिखा पत्र

मुंबई,एजेंसी। महाराष्ट्र समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अबू आजमी ने रमजान के पवित्र महीने के दौरान मुस्लिम सरकारी कर्मचारियों को शाम 4 बजे छुट्टी देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना सरकारों ने अपने मुस्लिम अधिकारियों और कर्मचारियों को रमजान में शाम 4 बजे तक कार्यालय छोड़ने की अनुमति दी है, जिससे उपवास रखने वाले लोग इफ्तार और नमाज के लिए समय निकाल सकें।

अबू आजमी ने इस नीति को अन्य राज्यों के लिए एक अच्छा उदाहरण बताते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर ऐसी ही व्यवस्था लागू करने का अनुरोध किया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि राज्य सरकार इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाएगी।

अबू आजमी ने मीडिया से बातचीत में रमजान की खासियतों का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि रमजान के दौरान मुस्लिम लोग सुबह 4-5 बजे सहर के लिए उठते हैं, भोजन करते हैं और फिर थोड़ा आराम कर जल्दी ड्यूटी पर निकल जाते हैं। इफ्तार शाम लगभग 6:30 बजे होता है और उसके एक घंटे बाद नमाज अदा की जाती है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि मुसलमानों के लिए रमजान बहुत पवित्र और महत्वपूर्ण महीना है, जिसमें रोजा रखना, इबादत करना और धार्मिक अनुष्ठान शामिल होते हैं। ऐसे में उपवास रखने वाले कर्मचारियों को शाम के समय कुछ राहत मिलनी चाहिए ताकि वे अपनी धार्मिक जिम्मेदारियों को बेहतर तरीके से निभा सकें।

अबू आजमी की क्या है मांग : अबू आजमी ने बताया कि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में जारी आदेशों से प्रेरित होकर उन्होंने महाराष्ट्र में भी यह पहल की है। उन्होंने कहा, जब मैंने देखा कि इन राज्यों में मुस्लिम अधिकारियों को 4 बजे छुट्टी मिल रही है, तो मुझे लगा कि महाराष्ट्र में भी ऐसा होना चाहिए। इसलिए मैंने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। यह एक अच्छी पहल होगी यदि राज्य सरकार इसे लागू करती है। उनका मानना है कि इससे मुस्लिम कर्मचारियों को धार्मिक और कार्यक्षेत्र दोनों में संतुलन बनाने में मदद मिलेगी, बिना उत्पादकता प्रभावित किए।

यह मांग ऐसे समय में आई है जब रमजान के दौरान कई राज्यों में मुस्लिम कर्मचारियों के लिए विशेष रियायतों की चर्चा हो रही है। अबू आजमी की यह अपील धार्मिक संवेदनशीलता और कार्य-जीवन संतुलन पर आधारित है।

हालांकि, इस प्रस्ताव पर अभी राज्य सरकार की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। राजनीतिक हलकों में इसे लेकर बहस छिड़ सकती है, लेकिन अबू आजमी ने इसे एक सकारात्मक कदम के रूप में पेश किया है।

अबूधाबी से पेट में लाया 135 ग्राम सोना, अहमदाबाद एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने पकड़ा; पोटी से निकला 3 कैप्सूल

अहमदाबाद,एजेंसी। अहमदाबाद कस्टम्स विभाग ने एयरपोर्ट से एक ऐसे तस्कर को पकड़ा है, जो अबूधाबी से पेट में सोना लेकर आ रहा था। तस्कर ने 24 कैरेट का 135 ग्राम से अधिक सोना निगल रखा था। उसकी संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर कस्टम विभाग ने पकड़ा। सोने को निकालने के लिए कस्टम विभाग ने संदिग्ध को अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने मल त्याग के जरिए उसके पेट से 135 ग्राम सोना निकाला। स्वास्थ्य और सुरक्षा जोखिम को देखते हुए उसे सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। आवश्यक चिकित्सकीय प्रक्रिया पूरी होने के बाद यात्री को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। दरअसल, शाहरुख नामक यात्री आबूधाबी से तस्करी के उद्देश्य से 24 कैरेट शुद्धता वाला 135 ग्राम से अधिक सोना निगल रखा था। अस्पताल में जांच के दौरान डॉक्टरों ने पाया कि यात्री ने मल त्याग के दौरान पीले रंग की तीन बेलनाकार कैप्सूल और एक गोल स्टील रंग की गेंद बाहर निकाली। चौथी गोल वस्तु कीमती धातु की नहीं पाई गई पूछताछ के दौरान शाहरूख ने भी यह स्वीकार कर लिया था कि उसने गोल्ड निगलकर अपने शरीर के भीतर छिपा रखा है।

बाजार में कितनी है कीमत : कस्टम विभाग ने अपने बयान में बताया कि तीन बेलनाकार कैप्सूल में 999 कैरेट का 135.200 ग्राम सोना मौजूद था। इसकी बाजार कीमत 21,89,564 रुपए है। चौथी गोल वस्तु कीमती धातु की नहीं पाई गई। फिलहाल कस्टम्स विभाग द्वारा पूरे मामले की आगे की जांच जारी है और तस्करी से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच-पड़ताल की जा रही है।

जेड श्रेणी की सुरक्षा के बावजूद टीएमसी विधायक की कार पर फेंका बम, तीन गिरफ्तार

कोलकाता,एजेंसी। बंगाल में दक्षिण 24 परगना के भांगड़ में शनिवार रात सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के विधायक शौकत मोल्ला की कार पर बम फेंका गया। तृणमूल विधायक ने आरोप लगाया कि इंडियन सेकुलर फ्रंट (आइएसएफ) कार्यकर्ताओं ने उन पर बम से हमला किया। शौकत मोल्ला ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने घटनास्थल से दो बम बरामद किए हैं। इस घटना में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जिले के कैनिंग ईस्ट से तृणमूल विधायक शौकत मोल्ला ने बताया कि पार्टी नेता खैरुल इस्लाम और अन्य कार्यकर्ताओं की शनिवार शाम को पिटाई की गई थी। वह घटना की शिकायत दर्ज कराने पोलारहाट थाने गए थे। लौटते समय उनकी कार पर बम फेंका गया। बम उनके पीछे खड़ी कार पर लगा, जिससे वह क्षतिग्रस्त हो गई। उनको कोई चोट नहीं आई। जेड श्रेणी की सुरक्षा के बावजूद इस तरह के हमले से विधायक हैरान हैं।

आईएसएफ विधायक पर लगा आरोप : उन्होंने इस हमले के लिए आईएसएफ द्वारा संरक्षित बदमाशों को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भांगड़ के आईएसएफ विधायक नौशाद सिद्दीकी ने यह हमला करवाया है। वहीं, नौशाद सिद्दीकी ने कहा है कि इस घटना से उनकी पार्टी का कोई लेना-देना नहीं है।

पॉश एरिया में रफ्तार का कहर

हैदराबाद में चार करोड़ की फरारी ने तीन को कुचला

हैदराबाद,एजेंसी। हैदराबाद में रविवार को रफ्तार ने कहर ढाया। चार करोड़ की फरारी ने तीन लोगों को कुचल दिया। हादसे में तीनों बुरी तरह से घायल हो गए। यह हादसा जुबिली हिल्स इलाके में रोड नंबर 45 के पास हुआ। यह इलाका मशहूर टॉलीवुड एक्टर नंदामुरी बालाकृष्णा के आवास के पास है। पुलिस ने बताया कि कार से ड्राइवर का कंट्रोल खो गया और कार एक बिजली के पोल से टकरा गई।

इसके बाद यह विपरीत दिशा से आ रही कार से टकरा गई। वहीं, कार के पीछे कुछ अन्य वाहन भी हादसे के शिकार हुए। हालांकि फेरारी चला रहे शख्स की पहचान नहीं सामने आई है।

किसके नाम पर रजिस्टर है कार : इस हादसे में तीन लोग घायल हो गए और बड़े पैमाने पर ट्रैफिक जाम लग गया।

जानकारी मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायलों की हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जाता है कि फेरारी वेंकट राजा रेड्डी के नाम पर दर्ज है।

शुरुआती जांच में क्या आया : वहीं, अभी तक इस बात से पर्दा नहीं उठ सका है कि इस गाड़ी को चला कौन रहा था। ड्राइवर का अल्कोहल टेस्ट निगेटिव आया है। जानकारी के मुताबिक वह किसी शादी में शामिल होने जा रहा था। ट्रांसपोर्ट अधिकारी घटना की जांच कर रहे हैं। हालांकि शुरुआती रिपोर्ट में पता चला है कि ब्रेक और इंजन में मालफंक्शन के चलते यह हादसा हुआ है।

दिल्ली में हुआ था हादसा: गौरतलब है कि हाल ही में दिल्ली में भी रफ्तार का कहर देखने को मिला था। बीबीए अंतिम वर्ष की पढ़ाई कर रहा साहिल तीन फरवरी को ऑफिस जा रहा था कि तभी सामने से आ रही एक च्एसयूवीज् (स्कॉर्पियो एन) ने उसकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

एसयूवी को कथित तौर पर 17 वर्षीय एक लड़का चला रहा था और उसकी बहन उसके बगल में बैठी थी। एसयूवी बाद में वहां खड़ी एक टैक्सी से भी टकरा गई, जिससे उसके चालक को चोटें आईं।

बेंगलुरु की झीलों पर संकट: एक में भी पीने या नहाने लायक पानी नहीं, रिपोर्ट

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के हालिया आंकड़ों बेंगलुरु शहर की एक भी झील का पानी पीने या नहाने के लायक नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक, बेलंदूर और वर्थुर जैसी प्रतिष्ठित झीलें भारी प्रदूषण के कारण डी और ई श्रेणी में बनी हुई हैं। दरअसल, अप्रैल और नवंबर 2025 के बीच किए गए जल गुणवत्ता विश्लेषण के अनुसार, शहर की 147 झीलों में से एक भी झील सुरक्षित मानकों (श्रेणी ए या बी) पर खरी नहीं उतरी है। यानी इन झीलों का पानी मानवीय उपयोग तो दूर, पशुओं के लिए भी असुरक्षित हो चुका है। चौंकाने वाली बात यह है कि बेंगलुरु शहर की सबसे ज्यादा प्रदूषण से प्रभावित होने वाले क्षेत्रों में प्रतिष्ठित झीलें भी शामिल हैं। बेंगलुरु की कई सबसे प्रसिद्ध झीलों में प्रदूषण का स्तर चिंताजनक पाया गया। अधिकांश झीलों को डी या ई श्रेणी में रखा गया, जो भारी प्रदूषण का संकेत देता है।

बेलंदुर झील : अप्रैल में इसे ई रेटिंग दी गई थी, गर्मियों के दौरान यह थोड़े समय के लिए डी रेटिंग तक सुधरी, लेकिन नवंबर तक आते-आते यह वापस ई रेटिंग पर आ गई।

वर्थुर झील : डी और ई श्रेणियों के बीच उतार-चढ़ाव देखा गया।

हेब्बल झील : अधिकांश महीनों तक डी श्रेणी में बनी रही, फिर धीरे-धीरे ई श्रेणी में आ गई।

अन्य गंभीर रूप से प्रभावित झीलों में मडीवाला, काइकोंडनहल्ली, कुंडलाहल्ली और उल्सूर (सभी डी/ई श्रेणी की) शामिल हैं, जबकि सैंकी टैंक की श्रेणी डी बनी हुई है। एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, तेजी से शहरीकरण और अनुपचारित अपशिष्ट निर्वहन के कारण झीलें सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं।

पारिस्थितिक आपातकाल की चेतावनी : पर्यावरण कार्यकर्ता और फ्रेंड्स ऑफ लेक्स की सह-संस्थापक माधुरी सुब्बाराओ ने कहा, बेंगलुरु की कई झीलें पारिस्थितिक पतन के कगार पर हैं। आज हम एक भी ऐसी झील नहीं बता सकते जिसकी जल गुणवत्ता अच्छी हो, पारिस्थितिकी स्थिर हो या जैव विविधता सुरक्षित हो। अधिकांश झीलें स्वीकार्य मानकों से नीचे हैं, और उनका पानी पशुओं के उपभोग के लिए भी अनुपयुक्त है।

नोएडा में सातवीं कक्षा की छात्रा ने जान दी, पड़ोसी पर ब्लैकमेलिंग का आरोप; भाई ने क्या बताया

नोएडा,एजेंसी। नोएडा के सेक्टर-63 थाना क्षेत्र की कॉलोनी में शनिवार रात 13 साल की नाबालिग संदिग्ध परिस्थितियों में पंखे से लटकी मिली। उसे अस्पताल जे जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। नाबालिग के भाई ने गैर समुदाय के पड़ोसी युवक पर बहन को ब्लैकमेल करने और साथियों संग शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाने का आरोप लगाया है। पुलिस की चार टीमें आरोपी को पकड़ने के लिए गठित कर दी गई हैं। आरोपियों पर कार्रवाई न होने से नाराज हिंदू संगठनों के पदाधिकारियों और लोगों ने रविवार सुबह सेंट्रल जोन में एसीपी प्रथम के दफ्तर से कुछ दूर धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस दौरान नारेबाजी भी की गई। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी और एसीपी मौके पर पहुंचे। आरोपी की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया। इसके बाद लोग वहां से हटे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि महोबा का एक शख्स सेक्टर-63 थाना क्षेत्र में पत्नी, बेटी और बेटे के साथ लंबे समय से रह रहा है। उसकी बेटी थाना क्षेत्र में ही अपनी मौसी के यहां रहकर सातवीं कक्षा की पढ़ाई कर रही थी। किशोरी के भाई का कहना है कि तीन दिन पहले उसके मां-पिता दोनों एक शादी समारोह में गांव चले गए। वह शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे डयूटी चला गया। बहन घर में अकेली थी। रात करीब आठ बजे उसने भाई को सब्जी लाने के लिए फोन किया। पौने दस बजे भाई घर पहुंचा तो दरवाजा खुला था। कमरे में जैसे ही वह दाखिल हुआ तो नाबालिग फंदे पर लटकी मिली।

शख्स के पास फोटो और वीडियो होने का आरोप : आरोप है कि युवक ने नाबालिग के फोटो-वीडियो मोबाइल में रखे हुए हैं। इन्हें दिखाकर वह उसे ब्लैकमेल कर दोस्तों संग संबंध बनाने का दबाव बना रहा था। इससे किशोरी प्रताड़ित हो गई थी। भाई ने आरोपियों पर हत्या का आरोप लगाकर कड़ी सजा देने की मांग की है।

स्कूली छात्राओं को परेशान करने का आरोप : नाबालिग के भाई का कहना है कि गैर समुदाय के पड़ोसी युवक स्कूली छात्राओं से दोस्ती करते हैं। उन्हें परेशान करते हैं और जबरन शारीरिक संबंध बनाते हैं। इसका वीडियो भी आरोपी चुपके से बना लेते हैं। फिर आरोपी साथियों संग भी संबंध बनाने का दबाव बनाते हैं।

गुरुग्राम में द्वारका एक्सप्रेसवे के पास बसेंगे 5 नए सेक्टर

एचएसवीपी का क्या प्लान

गुरुग्राम,एजेंसी। गुरुग्राम में द्वारका एक्सप्रेसवे के आसपास पांच नए सेक्टर विकसित करने की योजना है। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) की तरफ से इसके लिए तैयारी की जा रही है। जमीन से जुड़ी जानकारी को एकत्रित करके ई-भूमि पोर्टल पर डाला जाएगा। इसके बाद जमीन के अधिग्रहण या खरीदने की प्रक्रिया को शुरू किया जाएगा।

एचएसवीपी से मिली जानकारी के मुताबिक, मिलेनियम सिटी में सेक्टर-36ए, 37 के अलावा सेक्टर-68, 69 और 70 को विकसित करने के लिए जमीन मालिकों से जमीन ली जाएगी। इन

विकसित करने की योजना : एचएसवीपी के एक अधिकारी के मुताबिक, फरीदाबाद में सेक्टर-94ए, 96, 99, 101, 102, 103, 140, 141, 142 को रिहायशी सेक्टर के रूप में विकसित किया जाएगा। सेक्टर-100 को व्यावसायिक सेक्टर में रूप में विकसित करने की योजना है। इसके अलावा सेक्टर-96ए और सेक्टर-97ए को पब्लिक और सेमी पब्लिक सेक्टर के रूप में विकसित किया जाएगा।

विकसित होंगे सेक्टर : पंचकूला के कोट बहला में सेक्टर-16, 22 और 14, पिंजोर कालका में सेक्टर-31, सोनीपत के गन्नौर में सेक्टर-सात और

से ई-नीलामी के माध्यम से प्लॉट बेचे जा रहे हैं। दो लाख रुपये से 5 लाख रुपये प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से हो रही ई-नीलामी की वजह से मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए एचएसवीपी के प्लॉट खरीदना मुश्किल हो गया है।

लैंड पूलिंग योजना सिरे नहीं चढ़ सकी : हरियाणा सरकार ने चार साल पहले लैंड पूलिंग स्कीम को लॉन्च किया था। इसमें जमींदार के साथ एक एकड़ (4047 वर्ग मीटर) जमीन को लेकर समझौता करने के बाद उसे व्यवसायिक सेक्टर में एक बूथ (22.68 वर्ग मीटर) दिया जाएगा।

इस तरह रिहायशी सेक्टर में 1048

बलिया में पुलिस और बदमाश में मुठभेड़, 25 हजार का इनामी गो तस्कर गिरफ्तार

बलिया एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बलिया जनपद में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 25 हजार रुपए के इनामी गो तस्कर को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, रविवार देर

'कोटला' से 10 किमी के भीतर 60 हजार+ क्षमता वाला नया स्टेडियम बनाएगा DDCA

डीपीएल 2026 पहले कराने की तैयारी

नई दिल्ली। डीडीसीए दिल्ली में अरुण जेटली स्टेडियम से 10 किलोमीटर के दायरे में 60 हजार से अधिक क्षमता वाला नया स्टेडियम बनाना चाहता है। जनसत्ता से खास बातचीत में डीडीसीए के सचिव अशोक शर्मा ने ष्ठक्क (दिल्ली प्रीमियर लीग) 2026 को पहले आयोजित करने की योजना का भी खुलासा किया।

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित अरुण जेटली स्टेडियम की मौजूदा दर्शक क्षमता 39 हजार है। अशोक शर्मा (इनसेट में) ने बताया यह दिल्ली की आबादी के लिहाज से बहुत ही ज्यादा कम है।

दिल्ली एवं जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव अशोक शर्मा ने जनसत्ता के साथ खास बातचीत में दिल्ली क्रिकेट के भविष्य का रोडमैप सामने रखा। अशोक शर्मा ने बताया कि अरुण जेटली स्टेडियम (पूर्व में फिरोज शाह कोटला) से 10 किलोमीटर के दायरे में 60 हजार से अधिक दर्शक क्षमता वाला नया स्टेडियम बनाने की तैयारी की जा रही है।

डीडीए से उपयुक्त जमीन मिलते के बाद निर्माण कार्य तेजी से शुरू करने की योजना है। साथ ही डीडीसीए 2026 में दिल्ली प्रीमियर लीग (ष्ठक्क) को पहले आयोजित करने की दिशा में भी काम कर रहा है, ताकि घरेलू सत्र से पहले खिलाड़ियों को बेहतर मंच मिल सके।

अरुण जेटली स्टेडियम की क्षमता 39 हजार ही

अशोक शर्मा ने बताया, 'देखिए हमारी एपेक्स काउंसिल (शीर्ष परिषद) में यह फैसला किया गया था कि दिल्ली की आबादी के अनुसार एक और स्टेडियम होना चाहिए, जैसे मुंबई में तीन हैं। दिल्ली-एनसीआर इतना बड़ा है कि यहां के स्टेडियम की क्षमता 39 हजार है। हम चाहते हैं कि जो भी हमने डीडीए से जमीन देखी हैं, तो हम यह चाहते हैं कि वह हमारे स्टेडियम (अरुण जेटली स्टेडियम) से ज्यादा दूर नहीं हो।'

कम क्षमता के कारण मैनेज करने में होती है दिक्कत: अशोक शर्मा

अशोक शर्मा ने बताया, 'इतनी बड़ी जमीन होनी चाहिए जिसमें 60 हजार से ज्यादा दर्शक क्षमता वाला स्टेडियम बनाया जा सके, क्योंकि आगे का अनुमान लगाते हुए कि दिल्ली की आबादी कहां जाएगी, क्योंकि दिल्ली की आबादी और एनसीआर की आबादी बहुत ज्यादा है। जब भी कोई अच्छा मैच होता है हमें मैनेज करने में थोड़ी दिक्कत होती है, क्योंकि देखने वाले ज्यादा होते हैं और अंदर दर्शक क्षमता कम होती है। अशोक शर्मा ने बताया, 'हमें जितनी जल्दी डीडीए (दिल्ली विकास प्राधिकरण) से जमीन मिल जाएगी हम उतनी जल्दी से जल्दी कंस्ट्रक्शन करा लेंगे और बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) भी हमारी (डीडीएसए/दिल्ली जिला एवं क्रिकेट एसोसिएशन) सहायता करेगा।'

डीडीसीए प्रेसीडेंट को डीडीए से मिला है आश्वासन

प्रक्रिया कहां तक बढ़ी के सवाल पर अशोक शर्मा ने कहा, 'हमारे अध्यक्ष रोहन जेटली ने एलजी से बात की है। उनको आश्वासन मिला है कि डीडीए करीब में ही कोई जमीन उपलब्ध कराने की कोशिश करेगा। हमें नरेला स्थित एक जमीन ऑफर हुई थी, लेकिन बॉर्डर (दिल्ली की सीमा) पर है। हमने उनसे कहा कि ठीक है आप यह तो हमें ऑफर कर रहे हैं, लेकिन दो-तीन जगहें और दिखाइए तभी हम फैसला ले पाएंगे।' अशोक शर्मा ने बताया, 'अरुण जेटलीजी के समय में सराय काले खां के सामने डीडीए का स्पोर्ट्स सिटी बनाने का प्रोजेक्ट था। हमें भी वहां पर जमीन मिली थी, लेकिन किसी वजह से वह परियोजना मूर्तरूप नहीं ले पाई। तो दिल्ली को एक बड़े स्टेडियम की जरूरत है और हमारी कोशिश है कि हम जल्द से जल्द दिल्ली को बड़ा स्टेडियम दें।'

जितनी बड़ी जमीन, उतना बड़ा स्टेडियम

अशोक शर्मा ने कहा, 'डीडीए हमें जितनी बड़ी जमीन देगा हम उतना पड़ा स्टेडियम बनाने की कोशिश करेंगे, लेकिन सबकुछ डीडीए पर निर्भर है। बाकी रही फंड्स की बात तो हमारे पास पर्याप्त फंड है और बीसीसीआई भी हर स्टेडियम बनाने की लिए आर्थिक मदद देता है। और भी जगह जहां स्टेडियम बने हैं, बीसीसीआई ने वहां बड़े स्तर पर वित्तीय मदद दी है।'

चयन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी

अशोक शर्मा ने सितंबर 2025 में डीडीसीए की रणजी ट्रॉफी और अंडर-23 टूर्नामेंट के संभावित खिलाड़ियों के चयन को लेकर बैठक में हुए बवाल की खबरों को पूरी तरह से नकार दिया। उन्होंने कहा, 'ये अफवाहें हैं। हर सीजन जब हमारी चयन प्रक्रिया शुरू होती है तो ये अफवाहें उठती हैं, लेकिन साबित तो कुछ होता नहीं। बोलने को कोई कुछ भी कहे। जिसका बच्चा चुन लिया जाता है या जिसका नहीं चुना जाता है तो दोनों ही तरफ से ये आवाजें उठती हैं। मैं आपको बताना चाहता हूं कि हमारी चयन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है।'

अशोक शर्मा ने बताया, 'हम तैयारी करने के लिए हर स्तर पर ऐसे टूर्नामेंट कराते हैं जिसमें बच्चे खेलें और अपनी प्रतिभा दिखाते हुए आगे बढ़ें। हम अंडर-19 का ट्रायल टूर्नामेंट कराते हैं। अंडर-16 का ट्रायल टूर्नामेंट कराते हैं। अंडर-23 का टूर्नामेंट कराते हैं। रणजी ट्रॉफी के जो टॉपर्स हैं हमारे, हम उनका टूर्नामेंट कराते हैं। हमारा यह सीजन पूरे दो से ढाई महीने तक चलता है, क्योंकि बीसीसीआई का घरेलू सीजन अक्टूबर के पहले सप्ताह से शुरू होता है, तो हमारी तैयारी मई-जून से शुरू हो जाती है।'

मिली-जुली परफॉर्मेंस

बीसीसीआई की घरेलू प्रतियोगिताओं में दिल्ली की टीमों के प्रदर्शन को लेकर अशोक शर्मा ने कहा, 'देखिए परफॉर्मेंस मिली-जुली आई है।

साउथ अफ्रीका से हार के बाद भी भारत के सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका से मिली हार डिफेंडिंग चैंपियन के लिए बड़ा झटका रहा, लेकिन इससे भारत के सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना अभी खत्म नहीं हुई है। भारत के पास अभी सेमीफाइनल में पहुंचने का मौका है, लेकिन इसके लिए उसे काफी सावधानी से आगे बढ़ना होगा। भारत अब प्रोटियाज से हार के बाद किस तरह से सेमीफाइनल में पहुंच सकता है इसके बारे में जानते हैं।

भारत के सेमीफाइनल में पहुंचने का समीकरण- भारत को अब सुपर 8 में जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के खिलाफ मैदान पर उतरना है।

टीम इंडिया को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए इन दोनों टीमों के खिलाफ जीत हासिल करनी होगी। यही नहीं भारत को कोशिश करनी होगी कि वो इन दोनों टीमों को बड़े अंतर से हराए और भारत का रन रेट बेहतरीन रहे। वहीं दूसरी तरफ साउथ अफ्रीका अपने अगले दोनों मुकाबले जीत लेती है तो इस टीम के 6 अंक हो जाएंगे और भारत के 4 अंक होंगे। इस स्थिति में भारत आसानी से सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा, लेकिन भारत अगर एक भी मैच हारता है तो वो वर्ल्ड कप से बाहर हो जाएगा।

वेस्टइंडीज कर सकता है खेल खराब

वैसे भारत के लिए पेंच तब ज्यादा फंस सकता है जब साउथ अफ्रीका अपने अगले दो मैचों में से एक मैच हार जाए। इस स्थिति में भारत और साउथ अफ्रीका दोनों के 4-4 अंक हो जाएंगे। वहीं अगर साउथ अफ्रीका को वेस्टइंडीज ने हरा दिया और वो भारत से हार जाए, लेकिन जिम्बाब्वे से जीत जाए तो वेस्टइंडीज के भी 4 अंक हो जाएंगे। तब भारत, साउथ अफ्रीका और वेस्टइंडीज में से जिसका रन रेट बेहतर होगा वही टीम आगे बढ़ेगी। यानी भारत को ये दुआ करनी होगी कि साउथ अफ्रीका अपने अगले दोनों मुकाबले जीत जाए।

महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स:

भारतीय टीम ने जीता खिताब, बांग्लादेश को 46 रन से हराया

बैंकॉक। भारतीय महिला टीम ने एसीसी महिला एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 का खिताब जीत लिया है। टेर्डथाई क्रिकेट ग्राउंड, बैंकॉक में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को जीत के लिए 135 का लक्ष्य दिया था। बांग्लादेश की टीम 88 रन पर सिमट गई और 46 रन से खिताबी मुकाबला हार गई। भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टीम ने 44 के स्कोर पर 4 विकेट गंवा दिए थे। वृंदा दिनेश 19, नंदीनी कश्यप और अनुष्का शर्मा 8-8, और मिनू मणी 0 पर आउट हो गईं। 4 विकेट गंवाकर संकट में फंसी भारतीय टीम को तेजल हसबनीस और कप्तान राधा यादव ने संभाला। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 69 रन की साझेदारी की। टीम का स्कोर जब 113 रन था, उस समय राधा यादव पांचवें विकेट के रूप में 30 गेंदों पर 1 छक्के और 3 चौकों की मदद से 36 रन बनाकर आउट हुईं। तेजल हसबनीस ने बेहतरीन अर्धशतक लगाया। वह 34 गेंद पर 2 छक्कों और 3 चौकों की मदद से 51 रन बनाकर आउट हुईं। इन दोनों की बदौलत भारतीय टीम ने 7 विकेट के नुकसान पर 134 रन बनाए थे। बांग्लादेश की तरफ से कप्तान फाहिमा खातून ने अच्छी गेंदबाजी की और 4 ओवर में 25 रन देकर 4 विकेट लिए। फरजाना एसमिन और फातिमा जहान सोनिया ने 1-1 विकेट लिए। 135 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी बांग्लादेश की टीम 19.1 ओवर में 88 रन पर सिमट गई और 46 रन से मैच हार गई। बांग्लादेश की तरफ से विकेटकीपर शमिमा सुल्ताना ने 20, सरमिन सुल्ताना ने 18, और कप्तान फहिमा खातुन ने 14 रन बनाए। अन्य बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों के सामने नहीं टिक सकीं।

मिलर ने मैक्सवेल को पीछे छोड़ बनाया छक्कों का वर्ल्ड रिकॉर्ड, 26 गेंदों पर अर्धशतक लगाकर खास कीर्तिमान किया अपने नाम

नई दिल्ली। भारत के खिलाफ सुपर 8 के मुकाबले में साउथ अफ्रीका के अनुभवी बैटर डेविड मिलर ने शानदार पारी खेली। मिलर की ये पारी तब सामने आई जब प्रोटियाज ने अपने पहले 3 विकेट सिर्फ 20 रन के स्कोर पर गंवा दिए थे। मिलर इस मैच में भारत के खिलाफ साउथ अफ्रीका की तरफ से टी20 वर्ल्ड कप में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले दूसरे खिलाड़ी बने साथ ही वो टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बैटर भी बने।

मिलर ने तोड़ा मैक्सवेल का रिकॉर्ड

मिलर ने भारत के खिलाफ अपनी 63 रन का पारी के दौरान 3 छक्के लगाए और उन्होंने अब टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा छक्के लगाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। मिलर ने भारत के खिलाफ अब तक कुल 39 छक्के लगाए हैं जबकि मैक्सवेल ने भारत के खिलाफ कुल 38 छक्के लगाए हैं। तीसरे नंबर पर 3 छक्कों के साथ निकोलस पूरन मौजूद हैं।

साउथ अफ्रीका ने रोका भारत का विजय रथ

टी20 वर्ल्ड कप :, सुपर-8 मुकाबले में 76 रनों से हराया, इतिहास में सबसे बड़ी हार

अहमदाबाद। टी20 विश्व कप 2026 में टीम इंडिया के विजय रथ पर साउथ अफ्रीका ने ब्रेक लगा दिया है। रविवार को नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए सुपर-8 राउंड के मुकाबले में भारतीय टीम को 76 रनों से हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले भारत ने ग्रुप स्टेज में जीत का 'चौका' लगाया था। यह टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में रनों के अंतर से टीम इंडिया की सबसे बड़ी शिकस्त है। साउथ अफ्रीका से मिले 188 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ईशान किशन बिना खाता पवेलियन लौटे। तिलक वर्मा की खराब फॉर्म इस मैच में भी जारी रही और वह सिर्फ एक रन ही बना सके। वहीं, अभिषेक शर्मा 12 गेंदों में 15 रन बनाने के बाद मार्को जानसेन की गेंद पर पवेलियन लौटे। कप्तान सूर्यकुमार यादव 2 चौकों की मदद से 18 रन बनाने के बाद कॉर्बिन बॉश का शिकार बने। वॉशिंगटन सुंदर 11 रन बनाकर आउट हुए। हार्दिक पांड्या 17 गेंदों में 18 रन बनाकर पवेलियन लौटे। रिंकू सिंह केशव महाराज की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में गेंद को सीधा ट्रिस्टन स्टब्स के हाथों में मार बैठे और खाता तक नहीं खोल सके।

अर्शदीप सिंह भी सिर्फ एक रन बनाकर आउट हुए, जबकि बुमराह बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। भारत की पूरी टीम सिर्फ 111 रन बनाकर सिमट गई। शिवम दुबे ने भारत की ओर से 37 गेंदों में सर्वाधिक 42 रन बनाए। गेंदबाजी में साउथ अफ्रीका की तरफ से मार्को जानसेन ने 3.5 ओवर में 22 रन देकर 4 विकेट झटके। वहीं, केशव महाराज ने महज 24 रन खर्च करते हुए 3 विकेट अपने नाम किए।

इससे पहले, टॉस जीतकर बैटिंग करने उतरी साउथ अफ्रीका की शुरुआत खराब रही। क्विंटन डी कॉक सिर्फ 6 रन बनाकर जसप्रीत बुमराह की गेंद पर क्लीन बोल्ड हुए। वहीं, कप्तान एडेन मार्करम भी सिर्फ 4 रन बनाकर अर्शदीप सिंह का शिकार बने। इसके बाद रयान रिकेल्टन भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और 7 रन बनाकर आउट हुए।

20 रनों के स्कोर पर 3 विकेट गंवा चुकी साउथ अफ्रीका की लड़खड़ाती हुई पारी को डेवाल्ड ब्रेविस और डेविड मिलर ने संभाला। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 97 रनों की अहम साझेदारी की। ब्रेविस 29 गेंदों में 45 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, मिलर ने महज 35 गेंदों का सामना करते हुए 63 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस इनिंग के दौरान मिलर ने 7 चौके और 3 छक्के जमाए।

बुमराह ने डिकॉक को तीसरी बार किया आउट

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 मैच में रविवार (22 फरवरी)को दूसरे ही ओवर में विकेट लेकर भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने साउथ अफ्रीका को बैकफुट पर ढकेल दिया। बुमराह ने साउथ अफ्रीका के ओपनर क्विंटन डिकॉक को दूसरे ओवर की पांचवीं गेंद पर बोल्ड करदिया। डिकॉक ने 7 गेंद पर 1 चौके की मदद से 6 रन बनाए। क्विंटन डिकॉक ने आउट होने से एक गेंद पहले ही चौका मारा था। अगली गेंद वह बोल्ड हो गए। बुमराह ने डिकॉक को टी20 में तीसरी बार आउट किया। बुमराह के खिलाफ उनका रिकॉर्ड काफी खराब है। 8 पारियों में 27 गेंद पर उन्होंने 29 रन बनाए हैं। उनका औसत 9.66 और स्ट्राइक रेट 107.40 का है।

अक्षर पटेल को न खिलाकर हुई गलती

साउथ अफ्रीका से हार के बाद गंभीर के साथी डोएशे ने माना

टी20 वर्ल्ड कप 2026 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ अक्षर पटेल को न खिलाने को भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने रणनीतिक फैसला बताया था।

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 के मुकाबले में साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारतीय टीम को 76 रनों से बड़ी हार का सामना करना पड़ा। टी20 वर्ल्ड कप में रन के लिहाज से भारत की सबसे बड़ी हार है। अहमदाबाद में रविवार (22 फरवरी) को भारतीय टीम बगैर उपकप्तान अक्षर पटेल के उतरी। उनकी जगह वाशिंगटन सुंदर खेले, लेकिन गेंद या बल्ले से प्रभाव नहीं डाल पाए। मैच के बाद भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथी रेयान टेन डोएशे ने स्वीकार किया कि अक्षर को न खिलाकर गलती हुई। रेयान टेन डोएशे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा,'हमने विचार-विमर्श करने में काफी समय लगाया। हम मैचअप देख रहे थे। पीछे मुड़कर देखने पर यह गलत फैसला लगा। अक्षर पर सवाल नहीं है। बहुत निराश हैं। किसी से वर्ल्ड कप थाली में परोसकर देने की उम्मीद नहीं करते। हमें एक गलती करने की छूट है। खिलाड़ी वापसी कर सकते हैं। दो बड़े मैच आने वाले हैं।'

अक्षर पटेल की जगह वाशिंगटन सुंदर खेले

भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस के दौरान कहा कि वह नीदरलैंड्स के खिलाफ प्लेइंग 11 के साथ ही उतरेंगे। उन्होंने अक्षर पटेल की जगह वाशिंगटन सुंदर को खिलाने को रणनीतिक फैसला बताया। उन्होंने कहा, 'यह अक्षर पटेल के लिए बहुत कठिन फैसला है, लेकिन हम उसी टीम के साथ जा रहे हैं। यह सिर्फ एक रणनीतिक फैसला है। इसलिए पिछले मैच से कोई बदलाव नहीं है।'

भारत का रनरेट काफी खराब- साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 187 रन बनाए। इसके जवाब में भारतीय टीम 18.5 ओवर में 111 रन पर आउट हो गई। इस बड़ी हार से भारतीय टीम सुपर-8 के ग्रुप 1 में अंतिम स्थान पर पहुंच गई। उसका रनरेट -3.800 हो गया। साउथ अफ्रीका पहले नंबर पर पहुंच गया। भारतीय टीम को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए बड़ी जीत दर्ज करनी होगी।

कुछ आदतें ऐसी होती हैं, जो दूसरों के साथ-साथ खुद को भी दुखी करती हैं। उन आदतों को अगर सुधार लें तो जीवन खुशहाल बन सकता है। आइए, जानते हैं वे आदतें कौन सी हैं और उन्हें कैसे सुधार सकते हैं। बता रहे हैं

आदतें बदलें खुशियों को गले लगाएं

लक्ष्य को टालते रहना

अपने लक्ष्य को टालते रहना, उन्हीं आदतों में से एक है। इहबास के मनोवैज्ञानिक ओम प्रकाश के मुताबिक ऐसे लोगों को परिणाम की चिंता नहीं होती, लेकिन जब नतीजा सामने आ जाता है, तो उससे घबराने लगते हैं।
कैसे सुधारें - इस स्थिति से बचने के लिए खुद को लक्ष्य पर केंद्रित रखना चाहिए। लक्ष्य छोटा हो या बड़ा, उसके लिए एक समय सीमा तय करें और उसी अवधि में उसे हासिल करें।

दूसरों को दोष देना और बहाने बनाना

दूसरों को दोष देने की आदत तो आम है। हम में से अधिकांश इस आदत के शिकार हैं। किसी गलती को छुपाने की यह एक मनोवैज्ञानिक आदत है। इससे कुछ समय के लिए तो खतरा टल जाता है, पर बाद में वह और भी बड़ा बनकर सामने आता है। दरअसल, ऐसे लोग अपनी कमियों को देख ही नहीं पाते और इसीलिए उन्हें दूर भी नहीं कर पाते। ऐसे में वे बार-बार उन गलतियों को दोहराते हैं और मजाक का पात्र बन जाते हैं।
कैसे सुधारें - जिम्मेदार बनें और अपनी गलतियों की जिम्मेदारी लें। इससे आपकी जवाबदेही के साथ-साथ कार्यकुशलता भी बढ़ेगी। अपनी की गई गलती से आप बहुत कुछ सीख सकते हैं।

परिवर्तन को स्वीकारते नहीं

कुछ लोग आसानी से परिवर्तन को स्वीकार नहीं करते। उन्हें बात-बात पर खीझ आने लगती है और हर बार को नकारात्मक नजरिये से देखने लगते हैं। ऐसे लोग अपने साथ दूसरों को भी परेशान करते हैं।
कैसे सुधारें - सबसे पहले इस बात को समझें कि परिवर्तन प्रकृति का नियम है। बदलाव छोटी हो या बड़ी, उसमें सहज रहने वाला व्यक्ति ही समझदार माना जाता है। लेकिन उससे लड़ने वाला व्यक्ति खुद को कष्ट पहुंचाता है और आखिर में हार जाता है।

दूसरों की आलोचना

ऑफिस में सहकर्मी का, घर में पड़ोसी का और कॉलेज में अपने दोस्तों की आलोचना कई बार आपको पीड़ा दे जाती है। इससे आपकी विश्वसनीयता पर तो सवाल उठता ही है, कई बार आप विवादों में घिर जाते हैं।
कैसे सुधारें - अच्छे श्रोता बनें। गॉसिप या आलोचना करना एक तरह की कमजोरी है। इससे बाहर निकलने के लिए सबसे अच्छा रास्ता यही है कि आप श्रोता बने रहें। लोगों की बातें सुनें और खुद में सुधार लाएं।

आत्मसम्मान को ताक पर रखना

किसी से हिसाब बराबर करने में कभी-कभी लोग अपने आत्मसम्मान को भी ताक पर रख देते हैं और बाद में पछताते हैं। जीत हासिल करने के लिए या किसी को हराने के लिए खुद को अपनी ही नजरों में दोषी बना लेना जिन्दगी भर का दुख दे जाता है।
कैसे सुधारें - कभी-कभी चीजों को नजरअंदाज कर देना चाहिए। हर बात को अपनी इज्जत का सवाल नहीं बनाना चाहिए।

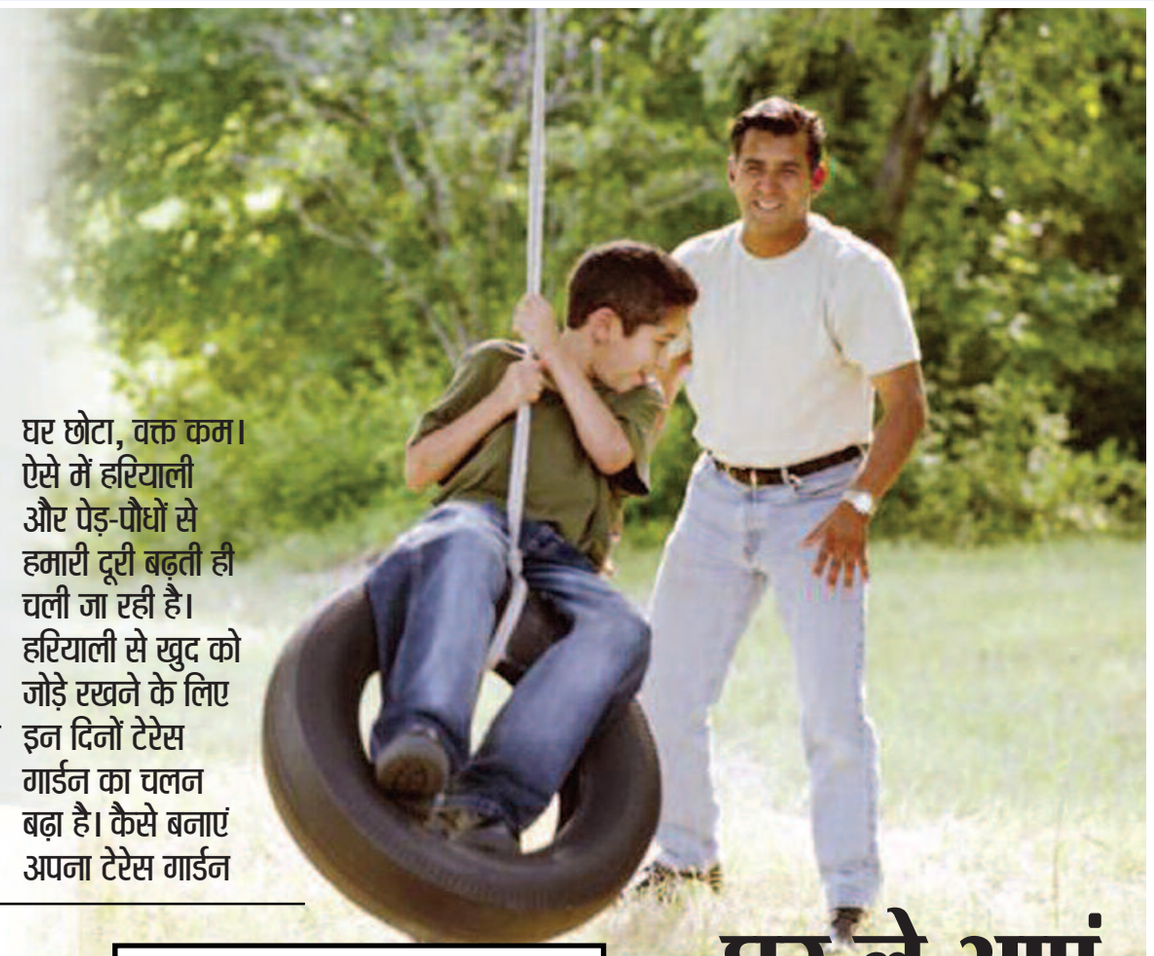

घर छोटा, वक्त कम। ऐसे में हरियाली और पेड़-पौधों से हमारी दूरी बढ़ती ही चली जा रही है। हरियाली से खुद को जोड़े रखने के लिए इन दिनों टेरेस गार्डन का चलन बढ़ा है। कैसे बनाएं अपना टेरेस गार्डन

घर ले आएं हरियाली

मि. एंड मिसेज गुप्ता दोनों ही कामकाजी है। शाम को थके-हारे लौटने पर वह कुछ समय साथ गुजारना पसंद करते हैं। ऐसे में वह थोड़ा खुला वातावरण चाहते हैं जो कि उन्हें रेस्टोरेंट या पार्क में मिलता है। परंतु समय की कमी के कारण वे कहीं आ-जा नहीं पाते हैं। ऐसे लोगों के लिए टेरस गार्डनिंग एक अच्छा उपाय है। चौंकिए मत, सोचिए कि आप दिन भर की थकान के बाद एक प्याला चाय के साथ अगर अपने गार्डन में लुत्फ उठाने का मौका मिल जाए तो क्या बात होगी? इंटीरियर डिजाइनर सोनाली सिंह कहती हैं, टेरेस गार्डनिंग आजकल बहुत प्रचलित है। अपने घर की छत में आप कुछ बदलाव करके इसे हरा-भरा बना सकती हैं। इसकी लागत भी बहुत अधिक नहीं है। आप अगर फ्लैट में रहती हैं और आपकी बालकनी का आकार ठीक-ठाक है, तो वहां भी गमले, छोटा सा टेबल, दो कुर्सी आदि लगा कर बैठने लायक जगह बना सकती हैं। घर का यह कोना आपको निश्चित तौर पर ढेर सारा सुकून देगा। इन चीजों का रखें खास ध्यान

प्लानिंग

सबसे पहले आप प्लान कीजिए कि आप अपनी छत को किस रूप में देखना चाहती हैं। अगर स्पेस और पैसे की समस्या नहीं है, तो आप काफी कुछ सामानों के उपयोग- जैसे रॉक्स, गैजीबो, वॉटर बॉडीज तथा अन्य चीजों का इस्तेमाल कर अपना टेरेस गार्डन खूबसूरत बना सकती हैं।

खाद व कीड़ों-मकौड़ों से बचाव

नियमित रूप से फर्टिलाइजर का उपयोग 15 से 30 दिनों तक करें। हर्बल नीम तेल का इस्तेमाल कीड़े-मकौड़ों भगाने के लिए नियमित रूप से दो-तीन महीने के अंतराल पर करें।

सही पौधों का चुनाव

सही पौधों का चुनाव अत्यंत आवश्यक है। अधिकतर आउटडोर गार्डन के पौधे सख्त होते हैं और पौधों का रख-रखाव आसान होता है। फ्लूमेरिया, फेरंगीपानी और पाम की वैरायटी आसानी से किसी भी नर्सरी में पायी जाती हैं, टेरेस गार्डन के लिए उपयुक्त हैं। इन्हें ज्यादा पानी देने की आवश्यकता नहीं है। अगर आप रेडीमेड गार्डन चाहती हैं तो आप लॉन की स्ट्रिप्स भी नर्सरी से खरीद कर ला सकती हैं जो 2 फीट से 11 फीट के टाइल्स में आता है।

फ्लोर तैयार करना

अपने सपनों का गार्डन तैयार करने से पहले आप अपने छत को वॉटरप्रूफ यानी जलरहित बनाने की तैयारी करें। आपके छत का फ्लोर आपके गार्डन की बेस के तहत काम करेगा। आप अपनी छत पर पौधे उगाने के लिए सीधे मिट्टी नहीं डाल सकती हैं। सबसे पहले आपको पक्की ईंट या जिस ईंट को मिट्टी पकाकर में पक्का किया जाता है, इसे छत पर पूरी बिछा दें। यह आम ईंटों से बेहतर होता है क्योंकि कच्ची ईंट पिघलकर निकासी में बाधा उत्पन्न करती है। उसके बाद इस पर वायर मेस बिछा दें। यह आपके मिट्टी को ईंटों के अंदर जाने से बचाता है। इससे छत भी खराब नहीं होगी और छत पर हरियाली बढ़ेगी।

मिट्टी का चुनाव

माली की सलाह से अपने टेरेस गार्डन के लिए सही प्रकृति की मिट्टी का चुनाव करें। आप खुद भी मिट्टी तैयार कर सकती हैं। सामान्य मिट्टी में विभिन्न तरह के खाद मिलाकर गमलों के लिए मिट्टी तैयार करें।

ड्रेनेज सिस्टम यानी निकासी

दूसरा महत्वपूर्ण काम है निकासी या ड्रेनेज सिस्टम का ध्यान रखना। टेरस यानी छत पर यह सुविधा उपलब्ध होनी चाहिए। अगर पानी की निकासी नहीं की गई तो यह आपकी बिल्डिंग को नुकसान पहुंचा सकता है।

नियमित पानी

पानी देने से पहले पौधों को चेक करें। हर सुबह पौधों में पानी दें और सूरज की रोशनी के पास रख दें। पौधों की मिट्टी अगर गीली है तो पानी न दें। ज्यादा पानी से जड़ सड़ने लगता है। अगर आप नोटिस करती हैं कि पौधे सूख रहे हैं या पीले पड़ रहे है तब आप पौधों को दिन भर के लिए घर के भीतर भी रख सकती हैं।

कुशन से सजाएं अपना आशियाना

कौन कहता है कि घर की सजावट सिर्फ महंगी चीजों और बड़े-बड़े सामानों से ही होती है। घर को सजाने के लिए छोटी से छोटी चीज भी बड़ी मायने रखती है। अब आप कुशन को ही ले लीजिए। कुशन सिर्फ सोफे की सजावट ही नहीं बढ़ाता, बल्कि ड्राइंग रूम से लेकर बेडरूम तक की खूबसूरती में चार चांद लगाता है। कुशन का इस्तेमाल आप किस तरह से करती हैं, यह आपके साथ-साथ बेडरूम या ड्रॉइंग रूम की बनावट पर निर्भर करता है।

बड़ा कुशन पीछे, छोटा आगे

बड़े कुशन को पीछे रखते हुए उससे छोटे को आगे की ओर घटते क्रम में लगाकर रखने से बेड और सोफे का लुक अच्छा आता है। साथ ही इससे आपके डेकोरेटिव कुशन के कपड़े और रंग भी आसानी से नजर आएंगे।

डेकोरेटिव कुशन्स से बढ़ाएं खूबसूरती

डेकोरेटिव कुशन्स रूम की शोभा को बढ़ाने के साथ उसे एक अलग लुक भी देते हैं। खिड़कियों के पास बैठने की जगह पर रखकर, आप खिड़की को भी आकर्षक लुक दे सकती हैं। इस कुशन को पढ़ते वक्त आप सपोर्ट के लिए इस्तेमाल कर सकती हैं।

इन बातों का रखिए ध्यान

ऐसे चुनें बेडरूम के कुशन्स - बेडरूम घर का सबसे सुकून देने वाला स्थान होता है। इसलिए उसकी सजावट पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। बेडरूम में कुशन से सजावट करते समय यह जरूर ध्यान दें कि जिस रंग की बेड शीट हो, उसी रंग का या उससे मैच करता हुआ ही कुशन रखें।
ढेरों हैं वेरायटी - रेडिमेड कुशन्स की भी मार्केट में काफी वेरायटी उपलब्ध है। नेट और टिशु फैब्रिक से बने कुशन्स देखने में काफी सुंदर लगते हैं। झालर लगे रेडिमेड कुशन्स और भी सुंदर लगते हैं और शाही लुक देते हैं। साथ ही लेदर, साटन, सिल्क, जॉर्जेट, सिंथेटिक, कॉटन, पॉलिस्टर, जार्जेट मिक्स सिल्क, प्लास्टिक, कॉटन मिक्स सिंथेटिक आदि कई तरह के कुशन्स मार्केट में मौजूद हैं। अपनी पसंद और जरूरत के मुताबिक इनमें से अपने लिए कुशन चुनें।
कुशन्स के डिजाइन - मार्केट में कुशन्स की काफी वैराइटीज मौजूद है। सिल्क, कॉटन, पॉली सिल्क, सिंथेटिक, हाथों से बनाई, मशीन से बनाई, मशीन की सजावट से प्रिंटेड या ब्लॉक प्रिंटेड और केवल प्रिंटेड कुशन भी मार्केट में मौजूद हैं। इन्हें आप आसानी से मिक्स और मैच करके अपने घर की खूबसूरती बढ़ा सकती हैं। कॉटन, सिल्क और पॉलिस्टर के कुशन सबसे ज्यादा इस्तेमाल किए जा रहे हैं। कॉटन कुशन का इस्तेमाल गर्मी के मौसम में सबसे ज्यादा किया जाता है। वहीं, सिंथेटिक और जॉर्जेट फैब्रिक वाले कुशन का इस्तेमाल सर्दियों के मौसम में ज्यादा किया जाता है। टिशु, वूल, नाइलोन, लेस और वेलवेट के कुशन्स रूम को एक हाई प्रोफाइल लुक देते हैं।

छोटी-से-छोटी एक्सेसरीज आपके घर की खूबसूरती में इजाफा कर सकती है। महत्वपूर्ण बात यह है कि आप उस एक्सेसरीज का इस्तेमाल किस तरह से करती हैं। अपने घर की खूबसूरती को कुशन की मदद से कैसे बढ़ाएं

आपका घर भी दिखेगा आलीशान

घर के इंटीरियर में छोटे-मोटे बदलावों से आप अपने साधारण घर को भी आलीशान लुक दे सकती हैं। अपने घर को आलीशान लुक देने के लिए लाइटिंग से लेकर घर की सजावट तक में कैसा बदलाव करें

दुनिया की कोई भी जगह घर जैसा सुख नहीं दे सकती, चाहे वह पांच सितारा होटल का कमरा ही क्यों ना हो! आपके अपने घर की बात ही कुछ और होती है। लेकिन हम घर को अपने रहने के अलावा एक और नजरिये से देखते हैं। हम अपने घर को अपना स्टेटस सिंबल भी मानते हैं। लेकिन अपने स्टेटस सिंबल को और अधिक आकर्षक और शाही लुक देने के लिए आप क्या करते हैं? कई बार हमारे सामने बजट की बाध्यता आ जाती है, ऐसे में यहां कुछ टिप्स दिए गए हैं, जिन्हें अपनाकर और अपनी रचनात्मकता व सूझबूझ से घर को शाही अंदाज देने के साथ-साथ उसे और अधिक सुविधाजनक बना सकती हैं।

लाइटिंग हो अच्छी

घर की साज-सज्जा में लाइटिंग बहुत अहम होती है। इंटीरियर डिजाइनर अंकुश अग्रवाल के मुताबिक यदि घर की साज-सज्जा को दर्शाने के लिए सही लाइटिंग नहीं है तो वह अधूरी मानी जाएगी। लेकिन इसके लिए आपको बहुत ज्यादा खर्च करने की जरूरत नहीं है। इसके लिए आप लैंप का सहारा भी ले सकती हैं। अपने घर के फर्नीचर को हाइलाइट करने और किसी विशेष थीम को दिखाने का यह एक आसान और बेहतरीन तरीका है। लैंप से छन कर जो सॉफ्ट रोशनी आती है, वह हर कमरे को कोजी लुक देती है। आजकल आयरन, सेरेमिक, ब्रास, पॉली रेजिन, वुड, क्रोम और ग्लास के लैंप बाजार में उपलब्ध हैं।

परदों से दें स्टाइलिश लुक

घर की सजावट में परदों का भी अहम योगदान है। वैसे तो परदों का इस्तेमाल रोशनी को ढकने के लिए किया जाता है, लेकिन घर को थोड़ा और खूबसूरत बनाने के लिए लेस वाले परदों का इस्तेमाल किया जा सकता है। परदा सस्ता है या महंगा, इससे ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि आपने उसको सजाया कैसे है। साधारण से परदे को किसी कॉन्ट्रास्ट रंग की रेशमी रस्सियों से बांध कर आप कमरे में नयापन ला सकती हैं।

घर के अनुकूल हों फर्नीचर

सिर्फ शोरूम में अच्छे लगने वाले फर्नीचर न खरीदें। पहले विचार करें कि आप अपने घर का लुक किस तरह का चाहती हैं। फर्नीचर की खरीदारी से पहले ही तय कर लें कि दीवारों और फ्लोर के हिसाब से आपको कैसे फर्नीचर की जरूरत है।

सजावटी सामान में थोड़ा खर्च करें

अपने घर के लिए कुछ अलग-सा खरीद कर लाएं। मूर्तियां या एकाध फर्नीचर जैसी चीजें खरीदी जा सकती हैं। लेकिन ये ज्यादा संख्या में ना खरीदें, क्योंकि ज्यादा संख्या में ये सामान्य दिखेंगी और इनकी शोभा कम हो जाएगी।

खिलौनों को रखें दूर

घर को ग्लैमरस लुक देने की आखिरी, मगर सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि घर में खिलौनों को नजरों से दूर रखें। यदि वे इस्तेमाल नहीं हो रहे हैं तो उन्हें कहीं अंदर रख दें। इसके अलावा हर दिन इस्तेमाल में आने वाली वस्तुओं को भी उनकी सही जगह पर रखें, घर में फैलाएं नहीं।

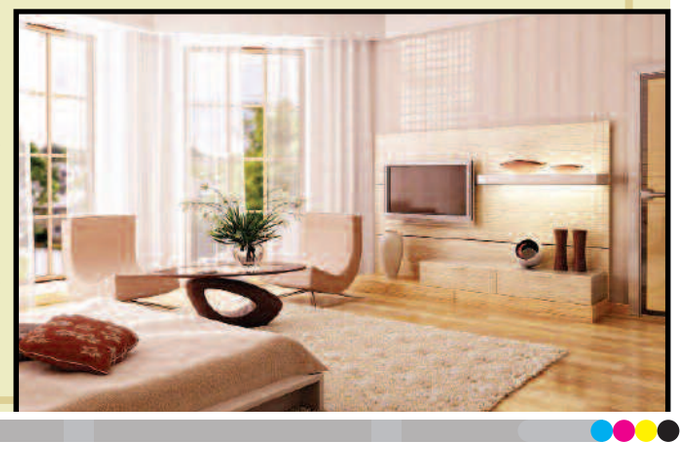

'हसरतें सीजन 3' से चाहत पांडे रखा ओटीटी की दुनिया में कदम

टीवी और रियलिटी शो की दुनिया में अपनी पहचान बना रही एक्ट्रेस चाहत पांडे ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी डेब्यू किया है। हंगामा ओटीटी पर रिलीज हुई नई वेब सीरीज 'हसरतें सीजन 3' में उन्होंने एक चुनौतीपूर्ण किरदार निभाया है। उनका किरदार कई मायनों में महिलाओं की जटिल भावनाओं, उनकी इच्छाओं और उनके संघर्ष को बयां करता है।

यह कहानी दर्शकों को यह सोचने पर मजबूर करेगी कि कभी-कभी जीवन में अपनी खुशी चुनना गुनाह नहीं, बल्कि जीवित रहने का तरीका है। चाहत पांडे ने अपने किरदार को लेकर कहा, ''स्मिता मेरे करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार है। स्मिता ऐसी महिला है, जिसे बचपन से सिखाया गया कि उसे अपने दर्द और अधूरी इच्छाओं को कभी व्यक्त नहीं करना है। पति के गायब होने के बाद समाज उसे और भी सख्ती से नियंत्रित करने लगता है। इस किरदार के जरिए मैंने यह दिखाने की कोशिश की कि जब एक महिला अपनी आवाज सुनती है, तो उसके जीवन में कितना बड़ा बदलाव आ सकता है।'' चाहत ने आगे कहा, ''स्मिता की कहानी उसके अधिकारों को वापस पाने और यह स्वीकार करने की कहानी है कि अपनी खुशी चुनना कोई अपराध नहीं है। यह किरदार महिलाओं की भावनाओं, उनके संघर्ष और उनकी स्वतंत्रता की कहानी को बड़े ही संवेदनशील तरीके से पेश करता है।''

'हसरतें सीजन 3' में चाहत पांडे का यह कदम ओटीटी की दुनिया में उनकी नई पहचान बनाने का भी अवसर है। दर्शक न केवल उनकी भावनाओं से जुड़ेंगे, बल्कि उनकी कहानी के माध्यम से समाज में महिलाओं की स्वतंत्रता और व्यक्तिगत अधिकारों के महत्व को भी महसूस करेंगे।

क्या बॉलीवुड में डेब्यू के ख्वाब देख रहीं हैं भोजपुरी क्वीन अक्षरा?

अपने अभिनय, डांस और सिंगिंग को लेकर दर्शकों की तारीफ बटोरने वाली अक्षरा सिंह ने अब यूट्यूब पर कुकिंग व्लॉग शुरू कर दिया है। बीते दिनों उन्होंने इसका एलान किया था। 'चटर पटर' नाम के इस चैनल पर अक्षरा अपने माता-पिता के साथ कोई डिश बनाती हैं। साथ-साथ भरपूर मस्ती होती है। व्लॉग का पहला एपिसोड काफी पसंद किया गया था। अब इसका दूसरा एपिसोड रिलीज कर दिया गया है। अक्षरा बोलीं- 'आपका प्यार ही फैमिली फन को वायरल बनाता है' अक्षरा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें व्लॉग के दूसरे एपिसोड के रिलीज होने की जानकारी देते हुए लिखा है, 'पहले एपिसोड को आप सभी ने इतना प्यार दिया, दिल खुश हो गया। अब 'चटर-पटर' का दूसरा एपिसोड लाइव हो गया है। मम्मी, पापा और मेरी फुल मस्ती के साथ। देखिए, एंजॉय करिए और बताइए कैसा लगा? आपका प्यार ही इस फैमिली फन को वायरल बनाता है। व्लॉग की शुरुआत अक्षरा सिंह से होती है। वे सोकर उठती हैं। अपनी मां को बताती हैं कि उन्हें एक सपना आया। सपने में बुआ आईं और अपने हाथ का टेस्टी हलवा बनाती दिखीं। यह सुनते ही अक्षरा की मां नीलिमा सिंह जलन महसूस करते हुए कहती हैं कि तुम्हारी बुआ को क्या हलवा बनाना आता है, वो तो मैं अच्छा बनाकर दिखाती हूं। इसके बाद अक्षरा अपनी मां के साथ मिलकर हलवा बनाती हैं। इसी दौरान वे कहती हैं, 'काश बॉलीवुड डेब्यू मांग लिया होता'। वे ख्यालों में गुम होती हैं कि उनकी मां उन्हें टोक देती हैं।

'चांद तलक' सॉन्ग हुआ रिलीज

अक्षरा सिंह के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे अपने गाने 'चांद तलक' को लेकर चर्चा में हैं। यह गाना हाल ही में रिलीज हुआ है। इसमें अक्षरा के साथ एक्टर विक्रांत सिंह राजपूत नजर आए हैं।

शाल्मली खोलगड़े का नया ट्रैक 'इम्प्रेशन' रिलीज

बॉलीवुड और म्यूजिक इंडस्ट्री में समय के साथ प्यार, रिश्तों और महिलाओं की भूमिका को देखने का नजरिया लगातार बदल रहा है। पहले के गानों में महिलाओं को अक्सर इंतजार करती, त्याग करती और भावनाओं में डूबी हुई दिखाया जाता था, वहीं आज के कलाकार नई सोच और नए आत्मविश्वास के साथ सामने आ रहे हैं। इसी बदले हुए दौर की एक मजबूत झलक प्लेबैक सिंगर शाल्मली खोलगड़े के नए गाने 'इम्प्रेशन' में देखने को मिलती है। अपने इस नए गाने के जरिए शाल्मली ने एक म्यूजिकल एक्सपेरिमेंट किया है, जिसमें महिला खुद अपने रिश्ते की दिशा तय करती है। शाल्मली खोलगड़े ने अपने नए ट्रैक 'इम्प्रेशन' को लेकर कहा, ''मैं अपनी सोच और अभिव्यक्ति के साथ आगे बढ़ती हूं। यह गाना आज के दौर के रिश्तों को दर्शाता है, जहां आकर्षण दिखावे या बड़े-बड़े वादों से नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, संतुलन और अपने आप में सहज होने से पैदा होता है। इसी सोच को गाना आगे बढ़ाने का काम करता है।'' म्यूजिक वीडियो में शाल्मली खुद डांस करती नजर आती हैं। शाल्मली ने गाने को लेकर कहा, ''इम्प्रेशन' मेरे लिए बेहद खास है, क्योंकि इसमें मुझे संगीत और डांस दोनों के जरिए खुद को अभिव्यक्त करने का मौका मिला है। एक कलाकार के तौर पर यह मेरे लिए बहुत संतोषजनक अनुभव रहा।

अपनी अपकमिंग फिल्म 'योगी दा' को लेकर उत्साहित हैं साई धनशिका, फिल्म में एक्शन करती नजर आएंगी

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की सफल अभिनेत्री साई धनशिका अपनी अपकमिंग फिल्म 'योगी दा' की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। साई फिल्म में एक्शन करती नजर आएंगी। उन्होंने बताया कि फिल्म 'योगी दा' में सभी स्टंट खुद किए हैं। उन्होंने बताया कि बिना किसी बॉडी डबल के एक्शन सीन पूरे किए महिलाएं चाहें तो पुरुषों जितने शानदार स्टंट कर सकती हैं। एक इवेंट में साई धनशिका ने बताया, 'मैंने पहली बार 'पेरानमाई' में एक्शन किया था और वह अनुभव आज भी मेरी मदद करता है। 'योगी दा' में हर स्टंट सीन मैंने खुद किए हैं, बिना किसी बॉडी डबल के। अगर महिलाएं मन बना लें, तो वे पुरुषों की तरह ही अच्छे स्टंट कर सकती हैं।' उन्होंने फिल्म के संदेश पर जोर देते हुए कहा, 'आज महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं। समाज अक्सर सोचता है कि एक बार अगर कोई महिला शारीरिक रूप से घायल हो जाए, तो वह फिर कभी खड़ी नहीं हो सकती। लेकिन 'योगी दा' दिखाती है कि वह इससे उबर सकती है और मजबूत होकर वापस आ सकती है। हमने यह फिल्म महिलाओं के लिए, उनकी पूरी क्षमता दिखाने के लिए बनाई है।' साई धनशिका ने फिल्म के टाइटल की रोचक कहानी भी साझा की। उन्होंने कहा कि 'योगी दा' का नाम सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'कबाली' से प्रेरित है। 'मैंने 'कबाली' में रजनीकांत सर की बेटी का किरदार निभाया था, जिसका नाम 'योगी' था। इसी से 'योगी दा' की शुरुआत हुई। हमने 'कबाली' के लुक और एक्शन स्टाइल में समानताएं देखीं, इसलिए यह नाम चुना। 'कबाली' के लिए मैंने असल में अपने बाल कटवाए थे, लेकिन इस फिल्म के लिए विग का इस्तेमाल किया। 'कबाली' के बाद कई महिलाओं ने मेरे किरदार से प्रेरित होकर बाल कटवाए थे। तब मुझे एहसास हुआ कि एक फिल्म लोगों पर कितना गहरा असर डाल सकती है।' एक्ट्रेस ने अपनी पूरी टीम को दिल से धन्यवाद देते हुए कहा, 'मेरी पूरी टीम को बहुत-बहुत शुक्रिया। यह आप सबके बिना संभव नहीं होता। मैं मानती हूं कि ज्यादा बोलने से बेहतर है कि काम बात करे, जो मेहनत फिल्मों में दिखती है।' 'योगी दा' एक एक्शन एंटरटेनर है, जिसे गौतम कृष्णा ने लिखा और डायरेक्ट किया है।

क्या जिया शंकर ने एल्विश यादव से कर ली सगाई?

एल्विश यादव और जिया शंकर सगाई की अफवाहों को लेकर सुर्खियों में हैं। आज एल्विश यादव ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर की है। इसमें एक लड़के ने एक लड़की का हाथ पकड़ा है। लड़की ने हाथ में रिंग पहनी है। इसके कैप्शन में लिखा है 'प्यार को दूसरा मौका दिया और मुझे मेरा प्यार मिल गया।' इस स्टोरी को जिया शंकर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर रीशेयर किया है। यह तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल है। फैंस कयास लगा रहे हैं कि दोनों की सगाई हो चुकी है और दोनों जल्द ही शादी करने वाले हैं। हालांकि ना तो जिया शंकर ने और ना ही एल्विश यादव ने इस तस्वीर को लेकर कुछ कहा है। जहां फैंस दोनों के रिश्ते को लेकर कयास लगा रहे हैं वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों जल्द ही नए शो 'इंगेज्ड: रोका या धोखा' सीजन 2 में नजर आ सकते हैं। इस वक्त इस तरह की तस्वीर शेयर करना इस शो का प्रमोशन हो सकता है।

इन शोज में आई नजर

जिया शंकर मशहूर टीवी शो 'मेरी हानिकारक बीवी' में डॉक्टर इरा पांडे का किरदार निभाने के लिए जानी जाती हैं। साल 2015 में वह शो 'गुमराह: एंड ऑफ इनोसेंस' में नजर आईं। इसके बाद वह 'लाल इश्क', 'काटेलाल एंड संस' जैसे शोज में नजर आईं। आखिरी बार उन्हें 'बिग बॉस ओटीटी 2' में देखा गया था।

'ओ रोमियो' के किरदार ने मुझे इमोशनली चैलेंज किया

तृप्ति डिमरी ने कम समय में ऐसे किरदार चुने हैं, जो आसान नहीं थे। 'ओ रोमियो' में उनका किरदार बाहर से शांत, लेकिन भीतर से बेहद टूटा हुआ है। इसे लेकर उन्होंने खास बातचीत की...

तृप्ति कहती हैं 'ओ रोमियो' की शुरुआत मेरे लिए एक फोन कॉल से हुई। विशाल सर का नाम सुनते ही एक्साइटेड हो गई थी, क्योंकि उनके साथ काम करने का सपना रहा है। जब कहानी सुनी तो अपने किरदार अपशा से बहुत कनेक्ट हुई। कुछ फिल्में ऐसी होती हैं, जिनका सफर आप खत्म नहीं करना चाहते 'ओ रोमियो' मेरे लिए बिल्कुल वैसी ही रही।'

किरदार वहीं अच्छा जो चैलेंज करें, असली ग्रोथ तभी होगी

बकौल तृप्ति... 'मेरा मानना है कि जो किरदार आपको चैलेंज नहीं करता, उसमें मजा नहीं। एक एक्टर के तौर पर असली ग्रोथ वहीं से शुरू होती है। अफ्शा मेरे लिए आसान किरदार नहीं रहा। यह बहुत इंटर्नल कैरेक्टर है। उसके भीतर दर्द, गुस्सा और उदासी है, लेकिन वह सब बहर बहुत कम दिखाई देता है। इस बैलेंस को पकड़ना सबसे बड़ी चुनौती थी। अतुल मोंगिया और विशाल सर के साथ लंबे सेशन्स हुए।

शाहिद के साथ काम करके सीखा कैसे को-एक्टर को सिक्योर फील कराते हैं...

शाहिद के साथ काम करने के एक्सपीरियंस पर तृप्ति कहती हैं. वह बेहद डिसिप्लिन्ड और परफेक्शनिस्ट हैं। अगर उन्हें लगता है कि सीन और बेहतर हो सकता है, तो वह तब तक करते रहते हैं। सबसे अच्छी बात है कि वह अपने को एक्टर को बहुत सिक्योर फील कराते हैं। उनके साथ काम करते हुए बहुत कुछ सीखा। हम पहली बार रीडिंग के दौरान मिले थे। उस वक्त सबका फोकस सिर्फ स्क्रिप्ट और किरदार पर था। किसी को जज करने का सवाल ही नहीं था।' तृप्ति ने आगे 'एनिमल' पर भी कहा कि जब दर्शक किसी किरदार को इतने समय तक याद रखते हैं और दोबारा देखना चाहते हैं, तो यह बहुत बड़ी बात होती है।'

हिट-फ्लॉप से ज्यादा जरूरी यह है कि एक फिल्म से मैंने बतौर एक्टर क्या-क्या सीखा...

तृप्ति ने कहा... 'मेरे लिए हिट या फ्लॉप से ज्यादा जरूरी यह है कि मैंने एक एक्टर के तौर पर क्या सीखा। हर फिल्म आपको कुछ न कुछ सिखाती है। वही सीख आगे आपके काम आती है। बाकी मैं थोड़ी रोमांटिक भी हूं और थोड़ी रियलिस्ट भी। मुझे लगता है कि मोहब्बत में भावनाओं के साथ समझदारी भी जरूरी है। परदे पर मेरे और शाहिद के बीच दर्शकों को वह जरूर दिखेगा।' वहीं शाहिद का कहना है कि...'मेरे लिए सफलता असफलता दोनों अस्थायी हैं। अगर आप सिर्फ सफलता के पीछे भागते हैं, तो जल्दी टूट भी सकते हैं। जरूरी यह है कि आप अपने काम से जुड़े रहें और ईमानदारी रखें। वही आपको लंबे समय तक टिकाए रखेगा। बाकी प्यार जिंदगी की सबसे खूबसूरत चीज है। यह समझ, धैर्य और संवेदनशीलता भी है।'

मास और क्लास दोनों ऑडियंस को छूएगी 'ओ रोमियो'

शाहिद कहते हैं... ' विशाल भारद्वाज के साथ रिश्ता पुराना है, लेकिन मैं हर स्क्रिप्ट को बिल्कुल न्यूट्रल होकर सुनता हूं। यहां मुझे कहानी और किरदार में वह इमोशनल गहराई दिखी, जो एक एक्टर को आगे बढ़ाती है। यह फिल्म मास और क्लास, दोनों को ध्यान में रखकर कही गई है, और यही बात मुझे सबसे ज्यादा एक्साइट करती है।'

स्वामित्व, प्रकाशन एवं संपादन झ कृष्णा टेकरीवाले प्रकाशित समाचारों की सत्यता हेतु संबंधित संवाददाता जिम्मेदार होंगे विज्ञापन हेतु मोबाइल : 9801716267